दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

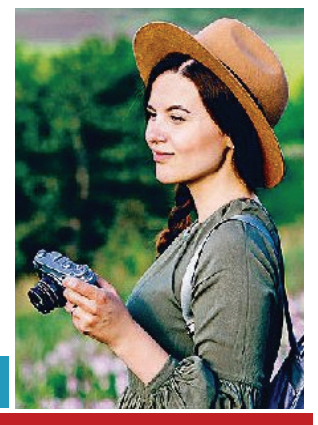

वर्चुअल रियलिटी थेरेपी ....

तनाव कम करने में ......

वर्ष : 11 | अंक : 268 | लखनऊ, 17 सितम्बर, बुधवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

संत कबीर के नाम पर उत्तर प्रदेश में स्थापित होंगे वस्त्र एवं परिधान पार्क : सीएम योगी

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र में निजी निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए विभिन्न जिलों में वस्त्र एवं परिधान पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पारंपरिक हथकरघा और वस्त्र उत्पादों की समृद्ध धरोहर वाला राज्य है, जिसकी क्षमता का सही उपयोग होने पर प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी नई पहचान दिलाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वस्त्र एवं परिधान का वैश्विक बाजार वर्ष 2030 तक 2.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है और भारत इसमें 8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ते देशों में है। ऐसे परिदृश्य में उत्तर प्रदेश की भागीदारी इस क्षेत्र में निर्णायक सिद्ध हो सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित योजना को महान संत कबीर के नाम पर समर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने अपने जीवन दर्शन में श्रम, सादगी और आत्मनिर्भरता को सर्वोपरि माना और यही भाव इस योजना का आधार बनेगा।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस योजना के माध्यम से निवेश, उत्पादन और रोजगार के नए अवसरों के साथ-साथ परंपरा और आधुनिकता का संतुलन स्थापित होगा। बैठक में प्रस्तुत विवरण के अनुसार, वर्तमान में उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष वस्त्र एवं परिधान निर्यातक राज्यों में शामिल है। वित्त वर्ष 2023-24 में प्रदेश से लगभग 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ, जो देश के कुल वस्त्र एवं परिधान निर्यात का लगभग 9.6 प्रतिशत है। इस क्षेत्र का प्रदेश की जीडीपी में 1.5 प्रतिशत योगदान है, जबकि राज्य में प्रत्यक्ष रोजगार पाने वाले लगभग 22 लाख लोग इससे जुड़े हैं। वाराणसी, मऊ, भदोही, मिजार्पुर, सीतापुर, बाराबंकी, गोरखपुर और मेरठ जैसे पारंपरिक क्लस्टरों ने उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय परिधान मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। अधिकारियों ने बताया कि निवेश सारथी पोर्टल पर अब तक वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र से जुड़े 659 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों के लिए लगभग 1,642 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। कुल निवेश मूल्य 15,431 करोड़ रुपये आंका गया है और इसके फलस्वरूप लगभग 1,01,768 रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है। प्रत्येक पार्क न्यूनतम 50 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा और इनमें प्रसंस्करण उद्योगों के लिए कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना अनिवार्य होगी। साथ ही बटन, ज़िपर, लेबल, पैकेजिंग और वेयरहाउस जैसी सहायक इकाइयों के विकास की भी व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निवेश प्रस्तावों को शीघ्र गति से क्रियान्वित करने हेतु भूमि की पहचान और विकास कार्य को तेज किया जाए। उन्होंने कहा कि योजना का क्रियान्वयन सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल अथवा नोडल एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा, ताकि निवेशकों को समयबद्ध और सुगम सुविधाएं प्राप्त हों। सरकार की ओर से पार्कों तक सड़क, विद्युत और जलापूर्ति जैसी आधारभूत सुविधाएं प्राथमिकता पर उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार सृजन को इस योजना का मुख्य लक्ष्य बताया।

भारत-मॉरीशस संबंध होंगे और मजबूत

राष्ट्रपति मुर्मू ने पीएम रामगुलाम से मिलकर जताया विश्वास

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने नई दिल्ली और पोर्ट लुई के बीच अद्वितीय और स्थायी द्विपक्षीय संबंधों पर जोर दिया। राष्ट्रपति भवन द्वारा पर प्रकाशित एक पोस्ट में, दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच संबंधों को स्वीकार किया, जो उनके साझा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मूल्यों में निहित हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रधानमंत्री रामगुलाम के नेतृत्व अनुभव पर विश्वास व्यक्त किया और कहा कि भविष्य में ये संबंध और भी मजबूत होंगे।

राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी पोस्ट में कहा गया कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि हमारे दोनों देशों के बीच संबंध अद्वितीय हैं, जो हमारे साझा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मूल्यों में निहित हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री रामगुलाम के व्यापक नेतृत्व अनुभव के साथ, भारत-मॉरीशस के दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध आने वाले समय में और भी मजबूत होंगे। इससे पहले आज, प्रधानमंत्री रामगुलाम ने अपनी आठ दिवसीय द्विपक्षीय भारत यात्रा के समापन चरण के तहत राष्ट्रीय राजधानी स्थित राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद, रामगुलाम ने राजघाट स्थित आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर भी किए। मॉरीशस के प्रधानमंत्री सोमवार को नई दिल्ली पहुँचे, जहाँ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उनकी अगवानी की। सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पर एक पोस्ट में कहा, 'मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम नई दिल्ली पहुँच गए हैं। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।' राष्ट्रीय राजधानी आने से पहले, रामगुलाम ने तिरुपति स्थित तिरुमाला मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने ब्रह्मर्षि आश्रम में एक कार्यक्रम में भी भाग लिया, जहाँ उनका स्वागत आध्यात्मिक गुरु सिद्धगुरु सिदेश्वर ब्रह्मेदस्वी गुरुदेव स्वामी ने किया। रामगुलाम वर्तमान में 9 सितम्बर से 16 सितम्बर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं, जिसके दौरान वे कई राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफटी 25,062.10

बर्खास्त संविदाकर्मियों की वापसी तेज, 2800 ने लगाई अपील, 1004 को मिली मंजूरी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की पहल से हड़ताल पर गए विशेष सर्वेक्षण संविदाकर्मियों की वापसी की राह आसान हो गई है। विभाग की तरफ से अपील अभ्यावेदन का अवसर दिए जाने के बाद लगातार बड़ी संख्या में बर्खास्त कर्मी पुनः सेवा में लौटने की प्रक्रिया से जुड़ रहे हैं और उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है।

विभागीय जानकारी के अनुसार, पटना मुख्यालय द्वारा निर्धारित ई-मेल आईडी appealdlrs@gmail.com पर अब तक करीब 2800 संविदाकर्मी पुनर्बहाली के लिए आवेदन दे चुके हैं। इनमें से 1004 अपीलों को स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि शेष अभ्यावेदन पर कार्रवाई की प्रक्रिया लगातार जारी है। गौरतलब है कि विभाग के पटना कार्यालय में भी बर्खास्तकर्मियों की भीड़ अपील अभ्यावेदन दाखिल करने के लिए उमड़ रही है। इससे पहले 3321 संविदाकर्मी पहले ही हड़ताल छोड़कर अपनी ड्यूटी पर वापस लौट चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस पहल बर्खास्त कर्मियों को दोबारा सेवा में आने का मौका मिला है। शुरूआत में 54 कर्मियों की वापसी हुई थी, वहीं यह संख्या बढ़ते-बढ़ते 402 और अब हजारों तक पहुंच चुकी है। विभाग का मानना है कि आने वाले कुछ दिनों में शेष बचे विशेष सर्वेक्षण संविदाकर्मी अपील अभ्यावेदन कर सेवा में वापसी करेंगे।

राजनाथ सिंह का आह्वान: सेना बनेगी 'टेक-फ्रेंडली', भविष्य के युद्धों की तैयारी तेज

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों से युद्ध की पारंपरिक अवधारणाओं से आगे बढ़कर सूचना, वैचारिक, पारिस्थितिक और जैविक युद्ध जैसे अपरंपरागत खतरों से उत्पन्न अदृश्य चुनौतियों से निपटने के लिए सतर्क और तैयार रहने का आह्वान किया है। 16 सितंबर को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने अशांत वैश्विक व्यवस्था, क्षेत्रीय अस्थिरता और उभरते सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए, दुनिया भर में हो रहे बदलावों और देश की सुरक्षा व्यवस्था पर उनके प्रभाव के निरंतर आकलन की आवश्यकता पर बल दिया।

राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि युद्ध की प्रकृति लगातार विकसित हो रही है, और हाल के वैश्विक संघर्षों ने एक 'प्रौद्योगिकी-अनुकूल' सेना की प्रासंगिकता को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि आज के युद्ध इतने अचानक और अप्रत्याशित होते हैं कि उनकी अवधि का अनुमान लगाना बेहद मुश्किल है। यह दो महीने, एक साल या पाँच साल भी हो सकता है। हमें तैयार रहने की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हमारी क्षमता पर्याप्त बनी रहे।

भारत के रक्षा क्षेत्र को आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं का सम्मिश्रण बताते हुए, रक्षा मंत्री ने कमांडरों से सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने और प्रधानमंत्री मोदी की परिकल्पना के अनुरूप सुदर्शन चक्र के निर्माण के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परियोजना की जाँच और एक ₹यथार्थवादी कार्य योजना₹ तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। उन्होंने इस परिकल्पना को साकार करने के लिए अगले पाँच वर्षों के लिए एक मध्यम अवधि और अगले दस वर्षों के लिए एक दीर्घकालिक योजना बनाने का सुझाव दिया। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि देश का रक्षा क्षेत्र आधुनिकीकरण, परिचालन तत्परता, तकनीकी श्रेष्ठता और विश्वसनीय प्रतिरोध पर केंद्रित है, राजनाथ सिंह ने 15 सितंबर, 2025 को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए 'जय (संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार)' के मंत्र पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। सिंह ने भविष्य के लिए तैयार प्रौद्योगिकियों के विकास में उद्योग और शिक्षा जगत के साथ गहन जुड़ाव की वकालत की। उन्होंने एक मजबूत रक्षा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और घरेलू उद्योग को दुनिया में सबसे बड़ा और सर्वश्रेष्ठ बनाने में निजी क्षेत्र की भूमिका को और बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण की पुष्टि की।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल में बारिश का तांडव! भूस्खलन ने छीनी 3 जानें, मंडी और शिमला में हाहाकार

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, हिमाचल प्रदेश में बारिश का प्रकोप जारी है। लगातार भारी बारिश के कारण प्राकृतिक आपदाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। एक बार फिर से हिमाचल प्रदेश में रातभर हुई भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई और मंडी में एक बस स्टैंड जलमग्न हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल के नेहरी क्षेत्र के बोई पंचायत में भूस्खलन के बाद एक मकान ढह जाने से तीनों की मौत हो गई। मंडी के उपायुक्त अपूर्व देवगन ने बताया कि तीनों शव बरामद कर लिए गए हैं जबकि दो अन्य लोगों को बचा लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बारिश के कारण मंडी जिले के धरमपुर में सोन और भारंद नालों में बाढ़ आ गई, जिससे एक बस स्टैंड में पानी भर गया, एक वर्कशॉप, पंप हाउस, दुकानों और 20 से अधिक बसों को नुकसान पहुंचा। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा, धरमपुर बस स्टैंड, दो दर्जन से अधिक एचआरटीसी बसों, दुकानों, पंप हाउस और कुछ वर्कशॉप को नुकसान पहुंचा है। शिमला में शहर के मध्य में हिमलैंड के निकट भूस्खलन के कारण कई वाहन मलबे में दब गए तथा मुख्य सर्कुलर रोड अवरुद्ध हो गया, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हिमलैंड के पास अपने वाहन में सो रहे गौतम और राहुल शुक्ला ने बताया, ह्ररात करीब एक बजे भारी बारिश हो रही थी, तभी हमने मलबे के गिरने की तेज आवाज सुनी और तुरंत अपने वाहनों को वहां से हटाया।

मोदी सरकार का नशा मुक्त भारत का संकल्प, 2047 तक खत्म होगा खतरा : अमित शाह

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक द्रव्य निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ कार्रवाई के पैमाने में बदलाव किया जाए ताकि आने वाले दिनों में और अधिक सफलताएँ मिलें।

अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने 2047 में एक महान भारत के निर्माण की संकल्पना प्रस्तुत की। एक ऐसा भारत जो पूर्णतः विकसित होगा। अगर हमें ऐसा भारत बनाना है, तो अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचाना बेहद जरूरी है। क्योंकि किसी भी महान राष्ट्र की संकल्पना, उसकी नींव उस देश की युवा पीढ़ी होती है। अगर हमारी आने वाली पीढ़ियाँ खोखली हो जाएँगी, तो देश भटक जाएगा... दुर्भाग्य से, वे दोनों क्षेत्र जहाँ से दुनिया भर में नशे की आपूर्ति होती है, हमारे नजदीक ही हैं... इसलिए यही समय है कि हम इसके खिलाफ मजबूती से लड़ें। शाह ने कहा कि तीन तरह के कार्टेल होते हैं, एक वो कार्टेल जो देश के सभी एंट्री पॉइंट्स पर काम करता है, दूसरा वो कार्टेल जो एंट्री पॉइंट से राज्य तक डिस्ट्रीब्यूशन का कार्टेल है और तीसरा वो कार्टेल जो राज्यों में पान की दुकान या गली के नुक्कड़ पर ड्रग्स बेचने तक काम करता है। इन तीनों तरह के कार्टेल्स पर कड़ा प्रहार करने का समय आ गया है। मेरा मानना है कि ऐसा तभी हो सकता है जब यहां बैठे लोग तय कर लें कि ये लड़ाई हमारी लड़ाई है।

अमित शाह ने कहा कि भगोड़ों का निर्वासन और प्रत्यर्पण, ये दोनों ही बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं।

सोनिया-राहुल ने मॉरीशस पीएम से की भेंट

साझा संस्कृति और संबंधों पर गहन चर्चा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से राष्ट्रीय राजधानी में मुलाकात की। यह मुलाकात मॉरीशस की आधिकारिक यात्रा के दौरान हुई। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों की पुष्टि की। राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, 'सीपीपी अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के साथ, मुझे मॉरीशस गणराज्य के प्रधानमंत्री महामहिम डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात करने का सौभाग्य मिला। हमने दोनों देशों और लोगों को जोड़ने वाली गहरी और स्थायी मित्रता के बारे में बात की।' प्रधानमंत्री रामगुलाम वर्तमान में 9 सितंबर से 16 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं, इस दौरान वे कई राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। इससे पहले, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में मॉरीशस के प्रधानमंत्री से मुलाकात की, जहाँ दोनों नेताओं ने नई दिल्ली और पोर्ट लुई के बीच अद्वितीय और स्थायी द्विपक्षीय संबंधों पर जोर दिया।

वीएलटीडी सिस्टम ने डेढ़ वर्षों में 3,552 वाहनों को ओवरस्पीडिंग करते पकड़ा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, बिहार में ट्रैफिक पुलिस के साथ-साथ परिवहन विभाग का व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (वीएलटीडी) सड़कों पर समुचित निगरानी का जिम्मा संभाल रहा है। विभाग के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से कुल 54,679 वाहनों को वास्तविक समय में ट्रैक किया जा रहा है। इस सिस्टम ने पिछले डेढ़ वर्षों में कुल 3,552 वाहनों को ओवरस्पीडिंग करते पकड़ा है। इसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2,007 वाहन शामिल हैं, जिसमें सबसे अधिक 1,051 कैब 100 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार पर थीं। इसके अलावा 862 बसों, 61 मैक्सी कैब और 33 कारों ने भी गति सीमा का उल्लंघन किया है।

ओवरस्पीडिंग पर विभाग की सख्ती

चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 1,545 पब्लिक वाहनों ने ओवरस्पीडिंग के नियम तोड़े हैं। इनमें 623 कैब, 583 बस, 128 मैक्सी कैब, 118 ओमनी बस और 93 कार शामिल हैं। इन वाहनों के खिलाफ चालान जारी करने के लिए संबंधित जिलों के जिला परिवहन अधिकारियों (डीटीओ) को निर्देश भेजा जा चुका है।

पटना में सघन जांच

आंकड़ों के अनुसार, ओवरस्पीडिंग के मामले में राजधानी पटना सबसे आगे है। पिछले वित्तीय वर्ष में पटना में 472 वाहनों ने तेज रफ्तार में गाड़ी चलाई, जबकि मुजफ्फरपुर में 209 और मोतिहारी में 132 वाहनों को वीएलटीडी सिस्टम ने नियम तोड़ते पकड़ा है। चालू वित्तीय वर्ष में भी पटना में 396, गया में 132 और मुजफ्फरपुर में 123 वाहनों ने गति सीमा का उल्लंघन किया है।

वीएलटीडी से सुरक्षा

परिवहन विभाग ने वर्ष 2022 से वीएलटीडी सिस्टम के जरिए यात्री वाहनों की निगरानी शुरू की थी। यह तकनीक विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के सुरक्षित सफर को सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है। इससे न केवल वाहनों की गति, बल्कि उनकी वर्तमान लोकेशन और रूट की भी जानकारी मिलती है।

गोरखपुर में कानून-व्यवस्था ध्वस्त : अखिलेश

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को गोरखपुर के मऊचापी गाँव में पशु तस्करों के साथ मुठभेड़ में एक मेडिकल छात्र की मौत पर उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की और कहा कि इस घटना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विधानसभा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की ध्वस्तता को उजागर किया है। यादव ने दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्वाचन क्षेत्र में एक व्यापारी की हत्या सहित लगातार अपराध हो रहे हैं।

सपा नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विधानसभा क्षेत्र में हुई यह पहली घटना नहीं है - इससे पहले भी गोरखपुर में पुलिस ने एक व्यापारी की हत्या कर दी थी। गोरखपुर और उसके आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर अन्याय हो रहा है। इससे कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठते हैं। पुलिस क्या कर रही है? यह प्रतिक्रिया सोमवार रात गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र के मऊचापी गाँव में पशु तस्करों द्वारा 19 वर्षीय NEET अभ्यर्थी दीपक गुप्ता की बेरहमी से हत्या के बाद आई है, जिसके बाद पुलिस के अनुसार हिंसक विरोध प्रदर्शन, पथराव और सड़क जाम हो गया। सपा प्रमुख ने उत्तर प्रदेश सरकार से गोरखपुर में पशु तस्करी की जाँच करने का आग्रह किया और मारे गए मेडिकल छात्र के परिवार के लिए 5 करोड़ रुपये का मुआवजा और सरकारी नौकरी की माँग की। उन्होंने कहा कि गोरखपुर की घटना में कहा जा रहा है कि वे गोवंश की तस्करी कर रहे थे। सरकार को इस बात की जाँच करनी चाहिए कि गोरखपुर में गोवंश की तस्करी और इस तरह की जघन्य हत्याओं में कौन लोग शामिल हैं। हम मांग करते हैं कि सरकार पीड़ित परिवार को 5 करोड़ रुपये का मुआवजा और एक सरकारी नौकरी दे, क्योंकि वह युवक मेडिकल का छात्र था। मुख्यमंत्री को पता होना चाहिए कि मेडिकल की पढ़ाई कितनी महंगी है।

समाजवादी पार्टी प्रमुख ने गोरखपुर के राजनीतिक महत्व को देखते हुए इस मुद्दे की गंभीरता पर जोर दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि गाजीपुर, कौशाम्बी और गोरखपुर में इस तरह के अपराध लगातार हो रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई है। सरकार और पुलिस का अधिकार कमजोर हो गया है। गोरखपुर मुख्यमंत्री का गृह क्षेत्र है और अगर वहाँ ऐसी घटनाएँ होती हैं, तो यह वाकई गंभीर चिंता का विषय है।

बेखौफ चोरों ने घर में घुसकर मोबाइल और हजारों की नगदी करी पार,रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ।सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने बीते दिनों एक घर में घुसकर मोबाइल और हजारों की नगदी पार कर दी।जानकारी होने के बाद पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है।सरोजनी नगर के अमौसी बाजार निवासी अमन गोस्वामी के मुताबिक बीती 11 सितंबर की रात लगभग दो बजे घर के सभी लोग सो रहे थे, तभी चोर छत के रास्ते अंदर दाखिल हुए और अलमारी में रखा रियलमी 9 प्रो मोबाइल (कीमत 15,254 रुपये) और 20 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। अगले दिन सुबह उठने पर घटना का पता चला, जिसके बाद पीड़ित ने सरोजनी नगर थाने में मामले की तहरीर दी।पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के जरिए चोरों का सुराग लगाने में जुट गई है

सरकारी जमीन की पैमाइश करने गए लेखपाल पर कब्जेदारों का हमला, मोबाइल छीनकर की धक्का-मुक्की

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के कल्ली पश्चिम में सरकारी ऊसर भूमि की पैमाइश करने पहुंचे नगर निगम के लेखपाल पर कब्जेदारों ने हमला कर दिया। आरोप है कि कब्जेदार मोहम्मद अली अहमद, उनकी पत्नी और बेटे ने पहले अभद्रता की, फिर लेखपाल का मोबाइल छीनकर कॉलर पकड़ लिया और धक्का-मुक्की करने लगे। पीड़ित लेखपाल संदीप कुमार ने बताया कि वे मंगलवार को खसरा नंबर 182 स, .0765 हेक्टेयर की भूमि की पैमाइश करने पहुंचे थे, तभी आरोपियों ने विरोध कर हमला बोल दिया। मौके पर मौजूद पार्षद द्रौपदी रावत के प्रतिनिधि मनोज रावत और स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर लेखपाल को आरोपियों से छुड़ाया। पीड़ित ने पीजीआई कोतवाली में आरोपी मोहम्मद अली अहमद, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। इंस्पेक्टर धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

फैशन डिजाइनिंग एवं ब्यूटीशियन में निःशुल्क प्रशिक्षण 22 से

18–35 आयु वर्ग की युवतियों को दिया जाएगा तीन माह का निःशुल्क प्रशिक्षण

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर।लखनऊ। फैशन डिजाइनिंग और ब्यूटी सेक्टर मौजूदा समय में तेजी से बढ़ता हुआ उद्योग है, जिसमें करियर बनाने की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। इसी को ध्यान मे रखते हुए सहयोग परिवार द्वारा फैशन डिजाइनिंग एवं ब्यूटीशियन ट्रेड निःशुल्क प्रशिक्षण का आयोजन आगामी 22 से किया जाएगा। सहयोग परिवार के अध्यक्ष अंकुर राज किशोर पासी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हाईस्कूल रखी गई है। साथ ही प्रतिभागियों की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। प्रत्येक कोर्स के लिए 25-25 सीटें निर्धारित की गई हैं। उन्होंने बताया कि सरोजनीनगर के स्कूटर इंडिया के निकट देवलोक कालोनी में आयोजित इस निःशुल्क प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को फैशन और ब्यूटी से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान और प्रशिक्षण विशेषज्ञों की देखरेख में दिया जाएगा, ताकि वे भविष्य में स्वरोजगार शुरू कर सकें या रोजगार के बेहतर अवसर पा सकें और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का मौका मिलेगा।

कैसरबाग स्थित मछली मंडी में 150 साल पुराना पेड़ गिरने से एक की मौत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।कैसरबाग क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली मछली मंडी में मंगलवार को लोगों की चहलकदमी बनी हुई थी। अन्य दिनों के मुकाबले दुकानों में भीड़ कम थी, लेकिन कस्टमर्स आ-जा रहे थे।हर कोई अपने काम में व्यस्त था। इसी दौरान अचानक तेज आवाज आई और हर तरफ भगदड़ मच गई। दरअसल, वहां मौजूद करीब 150 साल पुराना पीपल का पेड़ गिर गया।पेड़ की भारी भरकम टहनियों के नीचे कई लोग फंस गए। स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया साथ ही नगर निगम और पुलिस को भी सूचना दी गई।मौके पर पहुंची पुलिस, नगर निगम और दमकल की टीमों ने बचाव कार्य तेज किया और घायलों को बाहर निकाल बलरामपुर अस्पताल भेजा। हालांकि, इस दौरान एक बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे की जानकारी होते ही डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब, डीएम विशाख जी।और नगर आयुक्त गौरव कुमार भी पहुंचे और बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सभी अस्पतालों को भी अलर्ट कर दिया गया।

बारिश बनी वजह

पिछले दो दिन से राजधानी में बारिश हो रही है। बारिश के दौरान जर्जर मकानों के साथ ही सालों पुराने पेड़ों के गिरने का खतरा भी मंडराने लगता है।मछली मंडी में भी करीब 150 साल पुराना पीपल का पेड़ था, जो रोड साइड लगा हुआ था। स्थानीय लोगों ने कई बार पेड़ की छंटाई भी कराए जाने की मांग की थी, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। परिणामस्वरूप मंगलवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया।पेड़ अचानक से रोड पर गिरा और उसकी टहनियों की चपेट में आने से दो मकानों की दीवारें क्षतिग्रस्त हुईं साथ ही रोड साइड लगी अस्थाई गुमटियां भी दब गईं।

दर्जनों लोगों के दबे होने की सूचना

हादसे के तुरंत बाद मौके पर मची अफरा तफरी में यह बात सामने आई कि पेड़ की टहनियों के नीचे दर्जनों लोग दबे हुए हैं। जब दमकल व नगर निगम की टीम ने बचाव कार्य शुरू किया तो पांच लोग दबे मिले। जिसमें एक 70 वर्षीय बुजुर्ग रामू देवनाथ भी थे। उन्हें व अन्य चार घायलों को तुरंत बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया। जहां रामू को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, चार अन्य घायलों मछली मोहल्ला कैसरबाग निवासी मो. रिजवान (25), मो. शोएब (27), मो. अरमान (34) और बहलिया मलिहाबाद निवासी अभिषेक यादव (25) का इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

भागने का मौका नहीं मिला

जिस स्थान पर हादसा हुआ, वो बेहद घनी आबादी वाला एरिया है।पब्लिक मूवमेंट अधिक होने की वजह से रोड भी बेहद कम चौड़ी नजर आती है। जब पेड़ गिरा तो लोगों को बचने का मौका तक नहीं मिल सका और जो जिस स्थिति में था, उसी में पेड़ की टहनियों के नीचे फंस गया।टहनियों की चपेट में आने से कई दो पहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

तो हादसा और बड़ा हो जाता

स्थानीय लोगों का कहना है कि मंगलवार होने की वजह से कस्टमर्स की भीड़ बेहद कम थी। अगर सप्ताह का कोई और दिन होता तो हादसा और भी भयावह हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते पेड़ की छंटाई की जाती तो हादसे को टाला जा सकता था।स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि अभी इलाके में कई जर्जर मकान और पेड़ ऐसे हैं, जो बहुत पुराने हैं।इनको लेकर तुरंत कदम उठाने होंगे वरना मंगलवार जैसे हादसे की पुनरावृत्ति कभी भी हो सकती है। लोगों का कहना है कि बारिश होने के कारण खतरा और भी ज्यादा बढ़ गया है। निगम प्रशासन की ओर से अब कैसरबाग के साथ-साथ घनी आबादी वाले सभी इलाकों में सर्वे कराया जाएगा। सर्वे के दौरान जर्जर मकानों को चिन्हित करने के साथ ही ऐसे पेड़ों पर भी फोकस किया जाएगा। अभी नगर निगम की ओर से सिर्फ पॉश एरियाज में पेड़ों की छंटाई पर फोकस किया जा रहा है।

कुछ समझ नहीं आया

जहां पर हादसा हुआ, वो आवासीय के साथ-साथ कॉमर्शियल एरिया भी है।मौके पर मौजूद रहे सोनू का कहना है कि कुछ देर पहले ही वह वहां से निकले थे। अगर लेट होते तो वह भी पेड़ की टहनियों की चपेट में आ जाते।हादसे से पहले ही दो से तीन वाहन सवार भी उधर से ही निकले थे, जो बाल-बाल बच गए।

चुनावी चर्चा से ज्यादा चर्चित हुई नादौली गांव की गुमटी

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। नंदौली गांव की एक गुमटी की कहानी गांव के पंचायत घर के सामनें से शुरू हुई और सत्ता के गलियारें तक पहुंच गयी है कभी ये अतिक्रमण की जद में आ जाती है तो कभी इसे क्लीनचिट मिल जाती है और वह अपनें पुरानें स्थान पर पहुंच जाती है यह पूरा प्रकरण जिलें में चर्चा का विषय बना हुआ है मामला तब और ज्यादा रोचक हुआ जब इस प्रकरण में कई दिग्गज बड़े नेताओं की इंट्री हुई। इस घटना ने जब सबसे पहले तूल पकड़ा पकड़ा तो विकास खण्ड मुख्यालय पर धरना/प्रदर्शन हुआ और प्रशासक की मद्द से गुमटी हटाया गया फिर नेताओं का दखल हुआ और गुमटी अपनें पुरानें स्थान पर पहुंच गयी गांव के गलियों में इस राजनीति को फिर हवा मिली और मामला समाधान दिवस पहुंचा जब अधिकारियों ने कोई विशेष रूचि नही ली तब हंगामा शुरू हुआ जिसके बाद एक निश्चित दिन तय हुआ कि ये अतिक्रमण हटाया जायेगा। लेकिन निश्चित तिथि को कब्जा नही हटा बल्कि पूरे गांव के अतिक्रमण की पैमाइश हुई और टीम बैरंग वापस लौट आयी जिसके बाद महिला प्रधान अपनें साथियों के साथ अवैध कब्जेदारी का हवाला देकर अनिश्चितकालीन धरनें पर तहसील में बैठ गयी लेकिन अभी तक कोई हल नही निकला। आलम यह हो गया है कि ये गुमटी कभी हटती है, तो कभी अपनें पुरानें स्थान पर चली जाती है एक पक्ष इस गुमटी को हटवानें के लिए ऐठीजोटी का जोर लगा रहा है तो दूसरा पक्ष पूरें गांव को अतिक्रमण मुक्त करने का बीड़ा ही उठा लिया है। अधिकारी भी दोंनों पक्षों को खासी तवज्जौ दे रहे जब गुमटी हटवानें वाला पक्ष पहुंचता है तो गुमटी हट जाती है और जब दूसरा पक्ष पहुंचता है तो गुमटी रख जाती है।

मजेदार बात तब होती है जब गांव की भीड़ जमा होती है, तो गांव की नापाई हो जाती है और पूरा मामला शांत हो जाता नतीजा चाहे जो भी निकलें लेकिन नंदौली गांव की एक गुमटी की कहानी फिलहाल अगले कुछ दिनों तक लोगों के लिए एक खासा चर्चा का विषय जरूर बन चुका है।

मानवता शर्मसार, फिर भी जिंदा है उम्मीद

तेज रफ्तार कार ने कुत्ते को मारी टक्कर

पशु चिकित्सक ने इलाज से किया इनकार; पत्रकार व समाजसेवी ने बचाई जान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। महमूदनगर ढाल पर मंगलवार देर रात एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे बैठे एक बेजुबान कुत्ते को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी एक आंख से खून बहने लगा और वह मौके पर ही छटपटाने लगा।

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और घायल जानवर की मदद के लिए प्रयास शुरू कर दिए। इसी दौरान पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाया गया, लेकिन उन्होंने यह कहकर हाथ खड़े कर दिए कि 'देशी कुत्ते का इलाज करना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।' डॉक्टर की इस असंवेदनशीलता ने मौजूद लोगों को स्तब्ध कर दिया और क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया।

इस कठिन समय में पत्रकार निखिल मिश्रा और समाजसेवी निदाफ ने आगे बढ़कर असली मानवता की मिसाल पेश की। दोनों ने मिलकर घायल कुत्ते को ओला कैब के जरिए पास के पशु अस्पताल भेजा, जिससे उसकी जान बचाने की कोशिश की जा सकी। उनकी इस संवेदनशीलता ने यह साबित कर दिया कि इंसानियत अब भी जिंदा है—शब्दों में नहीं, कर्मों में।

पत्रकार निखिल मिश्रा ने प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि 'क्षेत्र में घायल और बीमार बेजुबानों के लिए उचित चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि ऐसी घटनाओं में समय रहते सहायता मिल सके।'

इस प्रेरणादायक घटना ने न केवल एक जान बचाई, बल्कि यह संदेश भी दिया कि जब सरकारी तंत्र असफल हो जाए, तब भी आम नागरिकों की जागरूकता और करुणा मिलकर बदलाव ला सकती है।

त्रिस्तरीय चुनावों के मद्देनजर ब्लॉक सभागार में भाजपा की बैठक संपन्न

अमन लेखनी समाचार

गोसाईगंज।मंगलवार को खंड विकास कार्यालय परिसर के सभागार में भाजपा की त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 के निमित बैठक आयोजित का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय अध्यक्ष पूर्व चेयरमैन बीकेटी अरुण सिंह (गप्पू) पूर्व मौजूद रहे।इस कार्यक्रम में आने वाले समय में होने वाले चुनावों के संबंध चर्चा की गई।उपस्थित लोगों ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा लखनऊ गोकरण नाथ वर्मा, ब्लाक प्रमुख गोसाईगंज विनय वर्मा (डिम्पल), जिला मंत्री ज्ञानवती रावत, भाजपा मंडल महा मंत्री डी डी त्रिपाठी,पूर्व जिला कोषाध्यक्ष दीपचंद वर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अभिषेक रावत,विधान सभा संयोजक शंभूनाथ पांडे,मण्डल अध्यक्ष अमेठी पंकज नयन, महामंत्री गोसाई गंज दिनेश साहू,पूर्व जिला उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा शिव कुमार रावत, गया प्रधान,प्रणवीर सिंह,वरिष्ठ नेता भाजपा आलोक महाजन,जिला उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा ब्लॉक सयोजक पंचायत चुनाव वीरेंद्र रावत,महामंत्री पिछड़ा मोर्चा राजेश वर्मा, अजय रावत,मण्डल अध्यक्ष गोसाई गंज अनुसूचित जाति मोर्चा रामदीन रावत,राम जी विश्वकर्मा, मण्डल अध्यक्ष युवा मोर्चा,संगम लाल बाबा व अन्य नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला शक्ति के संग, मोदी संकल्प के रंग - डॉ. राजेश्वर सिंह के कार्यालय पर महिला चौपाल का आयोजन

सेवा पखवाड़ा के तहत सरोजनीनगर विधायक कार्यालय में गूँजी नारी सशक्तिकरण की स्वर लहरियाँ

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। विश्व राजनीति के पटल पर भारत की पहचान को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाले, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस 'सेवा पखवाड़ा' को विशिष्ट आयामों के साथ जन-जन तक पहुंचाने हेतु सरोजनगर भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के आशियाना स्थित कार्यालय पर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर के तत्वावधान में गरिमामय महिला चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं की सहभागिता और सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर प्रधानमंत्री मोदी जी के जीवन-वृत्त, उनकी ऐतिहासिक उपलब्धियों एवं मातृशक्ति के लिए किए गए क्रांतिकारी प्रयासों का विस्तार से उल्लेख किया गया। महिलाओं ने एक स्वर में कहा कि नरेन्द्र मोदी जी ने ह्नारी शक्तिह्व को नीति और नेतृत्व दोनों का केंद्रबिंदु बनाया है—चाहे वह उज्ज्वला योजना हो, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व वंदना योजना हो या फिर महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रम। महिला चौपाल के दौरान वक्ताओं ने मोदी सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने और मातृशक्ति को रविकसित भारतर की धुरी बनाने के संकल्प को दोहराया।

गौरतलब है कि सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्पों के अनुरूप महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 1700 से अधिक सिलाई मशीनें वितरित कर 162 ताराशक्ति केंद्रों की स्थापना की गई, बेटियों को डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में 33 कॉलेजों, विशेष रूप से गर्ल्स कॉलेजों में डिजिटल लाइब्रेरी और 31 कॉलेजों में स्मार्ट पैनल बोर्ड स्थित कराए गए, 86 गर्ल्स यूथ क्लबों का गठन कर स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराई गई, सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग के अंतर्गत गर्ल्स वॉलीबॉल और बास्केटबॉल टूर्नामेंटों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा उत्तर प्रदेश कार्यालय की मंत्री सुश्री रमा सिंह रहीं। उनके साथ महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष सीता नेगी, विधानसभा प्रभारी रश्मि सिंह, मीडिया प्रभारी सुधा सिंह, पार्षद निर्मला सिंह, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष नीता दीक्षित, साधना गुप्ता, माधवी, अवध क्षेत्र मीडिया प्रभारी रीना उपाध्याय, अवध क्षेत्र शोध प्रभारी कुमकुम निगम, रंजना, करुणा तथा पार्षद प्रतिमा तिवारी सहित अनेक प्रतिष्ठित महिलाएँ उपस्थित रहीं।

यूपी में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में 4 करोड़ लोगों ने खाई 'दवाई'; पिछली बार से 86% ज्यादा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश के 27 जिलों में चले सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान में रिकार्ड 3.96 करोड़ (88 प्रतिशत) लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा का खिलाने में सफलता पाई है। ये पिछली बार से चार प्रतिशत ज्यादा है। अगस्त 2024 में चले अभियान में 84 प्रतिशत लोगों ने दवा खाई थी। इस बार 86 प्रतिशत ऐसे लोगों को भी दवा खिलाने में सफलता मिली है, जिन्होंने पिछले अभियान में दवा खाने से मना कर दिया था। प्रदेश के 27 जिलों के 195 ब्लाक में 10 अगस्त से 4 सितंबर तक चले एमडीए अभियान में लगभग साढ़े चार करोड़ लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य तय किया गया था। इसमें कानपुर देहात, सीतापुर, चंदौली, औरैया, श्रावस्ती, सुलतानपुर और फरुर्खाबाद में 89 प्रतिशत से अधिक लोगों ने फाइलेरिया रोधी दवा खाई।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में दोनों घायल

हादसे में घायल बाइक सवार

रफ्तार बनी हादसे की वजह, एक की हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गुलाल खेड़ा मोड़ के पास मंगलवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने हुई टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक की पहचान रहीमाबाद निवासी सुधीर के रूप में हुई है, जो लखनऊ की ओर जा रहा था। दूसरी बाइक पर सवार अरविंद कुमार, निवासी गदिया खेड़ा, रहीमाबाद, विपरीत दिशा से आ रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों बाइकों की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर टालना संभव नहीं हो सका। भिड़ंत के बाद दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों की हालत को चिंताजनक बताया है। फिलहाल उनका इलाज जारी है।

चोरी के माल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

नगराम। नगराम थाना क्षेत्र के अब्बास नगर में बीती रात को हुई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए नगराम पुलिस ने मंगलवार को दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया।नगराम पुलिस ने जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर शिवनंदन इंटर कॉलेज के पास से दोनों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान संजय पुत्र इन्द्रप्रसाद निवासी अहमदपुर आजम अली मजरा शाह मोहम्मद पुर अपैया नगराम लखनऊ और सतीश शर्मा पुत्र रामसनेही निवासी अहमदपुर मजरा शाह मोहम्मदपुर अपैया नगराम लखनऊ के रूप में हुई।

नगराम पुलिस ने उनके पास से चोरी गया कीमती सामान बरामद किया जिसमें तीन ठप्पे एक सोने की अंगूठी एक जोड़ी झुमके एक चाँदी की करधनी आठ पीस पायल चाँदी की झुमकी टूटा हुआ ताबीज करधनी समेत अन्य चाँदी के जेवर और एक हजार रुपये नकद बरामद हुए है।पुलिस द्वारा पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कबूल किया कि यही वो सामान है जिसे उन्होंने अब्बास नगर से चोरी किया था और नगद एक हजार रुपये पहले ही खर्च कर दिए।

नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम गठित की गई थी। मुखबिर की मदद से शीघ्र ही दोनों चोरों को पकड़ लिया गया इनके आपराधिक इतिहास की भी पड़ताल की जा रही दोनों को न्यायालय भेज दिया गया है बरामदगी और गिरफ्तारी की कार्रवाई में उपनिरीक्षक अरविंद कुमार, कांस्टेबल आशीष यादव, कांस्टेबल नीरज सिंह व कांस्टेबल पंकज कुमार की अहम भूमिका रही।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश ने मंगलवार को ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं और उनके कल्याण से जुड़ी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित एक सात सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ग्रामीण पत्रकार सुदूर अंचलों में जनता की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने और सरकार की विकास योजनाओं को जन-जन तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कठिन परिस्थितियों में भी ये पत्रकार लोकतंत्र की सशक्त धारा को बनाए रखने में योगदान दे रहे हैं। एसोसिएशन ने मांग की है कि ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं पर शासन स्तर से गंभीरता से विचार कर आवश्यक निर्णय लिए जाएं।

एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष आर.एल. पाण्डेय ने बताया कि ज्ञापन में सात प्रमुख मांगें शामिल हैं। पहली मांग में लखनऊ में दारुलशफा या ओसीआर में एसोसिएशन के लिए कार्यालय भवन आवंटन की मांग की गई है, ताकि सुदूर जनपदों से आने वाले पत्रकारों को ठहरने और प्रदेश स्तरीय बैठकों की सुविधा मिल सके। दूसरी मांग में ग्रामीण पत्रकारों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने की बात कही गई है, ताकि वे और उनके परिवार मुफ्त कैशलेस इलाज करा सकें। इस योजना में केवल जिला सूचना कार्यालय की सूची में शामिल अखबारों के संवाददाताओं को लाभ देने की मांग है।

तीसरी मांग में ग्रामीण पत्रकारों को शासन स्तर पर बीमा योजना से जोड़ने और 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग पत्रकारों को पेंशन योजना का लाभ देने की बात कही गई है। चौथी मांग में पत्रकारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से पहले जिला पुलिस के राजपत्रित अधिकारी द्वारा जांच को अनिवार्य करने की मांग की गई है, ताकि उनका अनावश्यक उत्पीड़न रोका जा सके। पांचवीं मांग में तहसील स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ग्रामीण पत्रकारों की नियमित बैठकें कराने और इसमें तहसील अध्यक्षों को शामिल करने का आग्रह किया गया है।

छठी मांग में प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना में मृत ग्रामीण पत्रकार के परिजनों को किसान बीमा योजना की तर्ज पर तत्काल पांच लाख रुपये और मुख्यमंत्री राहत कोष से 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग है। सातवीं मांग में ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध वसूली करने वाले फर्जी पत्रकारों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। इसके लिए जिला स्तर पर स्थायी समिति की बैठक बुलाकर असली और फर्जी पत्रकारों की पहचान करने का सुझाव दिया गया है।

एसोसिएशन ने शासन से पत्रकारों की समस्याओं पर सकारात्मक निर्णय लेने और उन्हें सम्मान व सुरक्षा प्रदान करने की अपील की है, ताकि वे निर्भीक होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें। इस अवसर पर संरक्षक अभिषेक श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष आर.एल. पाण्डेय, उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत मिश्रा, विवेक मिश्रा, महामंत्री फुरकान राईन, तहसील अध्यक्ष दिलीप रावत, तहसील उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सहित दर्जनों पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षेप

स्थानांतरित होने के बाद भी संविदा कर्मी को नहीं किया गया कार्यमुक्त

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के धानीखेडा पावर हाउस में कार्यरत स्थानान्तरित संविदा कर्मी को डेढ़ साल बाद भी कार्यमुक्त न किये जाने बिजली उपभोक्ता ने अधीक्षण अभियन्ता उन्नाव से शिकायत कर कार्यवाही किये जाने की मांग की है।तहसील के फीडर 33/11 के वी उपकेन्द्र धानीखेड़ा में कार्यरत संविदा कर्मी जागेन्द्र सिंह को ब्राडकास्ट इन्जीनियरिंग कंस्ल्टेन्ट इन्डिया लिमिटेड के पत्रांक 413 दिनांक 13-03-2024 के द्वारा शिकायतो के आधार पर स्थानान्तरित करके पुरवा ग्रामीण के लिये नियुक्त किया गया था। लगभग 18 माह का समय बीत जाने के बावजूद अभी तक जागेन्द्र सिंह को पुरवा के लिये कार्यमुक्त नहीं किया गया है। इस बावत चंदरपुर गाँव के निवासी बिजली उपभोक्ता विजयशंकर ने अधीक्षण अभियन्ता,विद्युत वितरण मण्डल,दही चौकी-उन्नाव को पत्र लिखकर कार्यवाही करने की मांग की है।

अनियंत्रित पिकअप डाला पलटा चालक घायल, हालत गंभीर

उन्नाव। कानपुर के थाना बर्रा निवासी दीपक 35 पुत्र राजेंद्र कुमार पिकअप डाला चालक है। मंगलवार को वह पिकअप में कानपुर से रेडीमेड दरवाजे लेकर लखनऊ जा रहा था। इस दौरान सोहरामऊ थाना क्षेत्र में रसूलपुर मोड़ के पास पिकअप अचानक अनियंत्रित हो डिवाइडर से टकराकर पलट गया। जिससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर एनएचएआई की एंबुलेंस लेकर ईएमटी अंकुर यादव मौके पर पहुंचा और घायल चालक को सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसका इलाज चल रहा है।घायल चालक दीपक ने बताया पिकअप का पटा अचानक से टूट गया। जिससे पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर पलट गया।

नशे में धुत युवक ने फंदा लगाकर दी अपनी जान,परिजनों ने पुलिस कार्रवाई से किया इंकार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत मेला रामकुंवर गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में आज मंगलवार दोपहर तीन बजे नशे में धुत युवक ने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। युवक की मौत से परिजनों में चीखपुकार मच गई। ग्राम मेला रामकुंवर गांव निवासी अखिलेश (25) पुत्र मँझिले पंडित शराब पीने का लती था। इसको लेकर घर में अक्सर कलह होती रहती थी। मंगलवार को वह शराब पीकर घर पहुंचा। उसके बाद युवक घर के कमरे में चला गया। काफी देर तक कमरे में आहट न होने पर परिजनों ने खिड़की से झांक कर देखा तो वह पंखे में दुपट्टे फंदे पर लटका नजर आया। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए। पुलिस की मौजूदगी में दरवाजा तोड़कर उसे फंदे से नीचे उतारा गया।वही परिजनों ने पोस्टमार्ट के लिए इनकार कर दिया.कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया परिजनों ने बताया कि मृतक नशे का आदि था.जिसके चलते पोस्टमार्टम कराने से परिजनों ने इंकार कर दिया.अगर कोई तहरीर दी जाती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर को लेकर पीएसपीएसए ने लगाई शिक्षामंत्री से गुहार, निकालेंगे हल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अनुभवों और योग्यता के आधार पर ही शिक्षकों ने बेसिक शिक्षा को बुलंदी पर पहुंचाया है। शिक्षकों ने अतिरिक्त डेटा फीडिंग, नवाचारी गतिविधियों और शैक्षिक गुणवत्ता हेतु, हर आदेश का निर्वाहन किया है। खेलों से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं और अनेक कार्यक्रमों में परिषदीय छात्र कीर्तिमान लिख रहे हैं। तब अब जाकर परिषद की सूरत चमकती दिखाई दे रही है, फिर अचानक उन शिक्षकों की योग्यता पर शक क्यूँ, जिन्होंने जीवन बेसिक को समर्पित कर दिया यह बातें प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष संजीव संखवार ने बेसिक शिक्षामंत्री संदीप सिंह से कहीं। जिला एवं मांडलिक मंत्री प्रदीप कुमार वर्मा ने सैकड़ों दृष्टांत देकर कहा, शिक्षकों की योग्यता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। क्यों आठ से दस साल पूर्व टीईटी की अनिवार्यता को लेकर बने कानून को शिक्षकों से छिपाया गया, जिसकी भनक तक शिक्षकों को नहीं लगने दी गई। प्रदीप ने टीईटी की अहर्ता की कमियों के साथ ही गत तीन दिनों में हुई चार मौतों पर मंत्री के सम्मुख चिंता जाहिर की। प्रत्येक बिंदु पर वार्ता कर उचित हल निकालने को कहा गया। कन्नौज जिलाध्यक्ष रजत परिहार ने कोर्ट के आदेश जिसमें, टीईटी उत्तीर्ण न कर पाने पर 56 वर्ष वाले को मात्र 2 वर्ष और 57 वर्ष वाले को 5 वर्ष नौकरी की बात को प्रतिकूल स्थिति बताते हुए, किसी भी शिक्षा की सेवा समाप्त न करने को कहा। शिवदर्शन ने आदेश को झकझोर देने वाला बतलाते हुए कहा कि इस उम्र में शिक्षण कार्य तो आसान है लेकिन प्रतियोगी परीक्षाओं की बाध्यता विपरीत असर डालेगी। अनिवार्यता हटाने सहित, मांगो पर सहमति के लिए बेसिक शिक्षा मंत्री को चार जिलों से पहुंचे पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपा। कई बिंदुओं पर बेसिक शिक्षा मंत्री सहमत नजर आए। घंटे भर चली वार्ता के दौरान शिक्षकों ने आदेश को लेकर कई तरह के प्रश्न भी पूछे। जवाब में बेसिक शिक्षा मंत्री ने बेसिक के शिक्षकों की मेहनत और उच्च गुणवत्ता की बात स्वीकार कर शिक्षा के उन्नयन और सुधार पर शिक्षकों की सराहना भी की। कोर्ट के ऑर्डर को पहले तो उन्होंने पूरे देश में लागू होने को कहा, किंतु पीएसपीएसए उन्नाव, कन्नौज, कानपुर के जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों से इस पर गंभीरता से विचार करने को कहा। उन्होंने जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिल, पूरी चर्चा कर की बात कही। संगठन ने विशिष्ट बीटीसी, बीपीएड और इंटर पास नियुक्त शिक्षकों की परीक्षा को लेकर भी प्रश्न उठाया, क्योंकि टीईटी के लिए आवश्यक योग्यताओं में इन्हें शामिल करना जटिल है। बेसिक शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों का पक्ष लेते हुए कोर्ट के ऑर्डर पर विस्तृत विश्लेषण की बात कही। पूर्व से नियुक्त शिक्षकों पर आए आदेश को लेकर विचलित नजर आए। शिक्षकों के साथ न्याय के साथ ही संदीप सिंह ने कहा कि सरकार अधिक बार परीक्षा के आयोजन और विभागीय वेटेज देने के तरीके खोजेंगे, शिक्षक संगठन इस पर भी असंतुष्ट रहा। शिक्षकों ने हल न मिलने पर अनिश्चितकालीन धरने और आंदोलन की बात कही। वार्ता के दौरान संजीव, रजत, प्रदीप, शिव, उमेश, अनिल, आदित्य उपस्थित रहे। शिक्षकों में संजीव और प्रदीप ने कहा कि सरकार को उन लाखों परिवारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होने से रोकने के लिए प्रयास करने ही होंगे। साथ ही शिक्षामंत्री से गुजारिश की, की सरकार सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर कर शिक्षकों का पक्ष रखे।

कस्बा में 150 भवन स्वामियों को नोटिस जारी होने के बाद विधायक ने जेई के साथ की बैठक

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। अजगैन मलिहाबाद मार्ग 10 मीटर चौड़ा होगा। इसके लिए 34 करोड़ स्वीकृत हुए हैं। निमार्ण शुरू करने से पहले मोहान कस्बे में चौड़ीकरण के दायरे में आ रहे 150 भवन स्वामियों को सड़क से जुड़े अतिक्रमण वाले हिस्से को हटाने के लिए नोटिस जारी हुई थी जिसमें तीन दिन में अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था, नोटिस जारी होते ही लोगो में बेचनी बढ़ गई थी, जिसपर मंगलवार को भाजपा नेता कपिल निगम सहित विधायक ब्रजेश रावत ने पीडब्ल्यूडी विभाग के जेई के साथ बैठक कर बाई पास से मार्ग निकलने को लेकर बात हुई, अजगैन-मलिहाबाद-इटौंजा 10 किलोमीटर लंबे इस मार्ग की चौड़ाई अभी सात मीटर है। चौड़ाई कम होने से अक्सर मार्ग पर जाम लग जाता है। इससे लोगों को सफर तय करने में काफी समय लग जाता है। इसी कारण इस मार्ग की 10 मीटर चौड़ा करने के लिए पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने 34 करोड़ का प्रस्ताव भेजा था। शासन से मंजूरी मिलने के बाद पीडब्ल्यूडी अधिकारी ने कस्बा मोहान के 150 भवन बाधक बन रहे है।इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने नोटिस जारी किया नोटिस जारी होते ही भवन स्वामियों में हड़कंप मच गया, जिसपर भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य कपिल निगम ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पत्र भेज कर बताया कि कस्बा में अगर चौड़ी करण होता है तो गरीबों के आशियाने उजड़ जाएंगे, जबकि भारी वाहनों के लिए लखपेड़ा चौराहे से बाई पास निकला हुआ है जो मोहान महिलाबाद को जोड़ता है,भवन न टूटे इसके लिए मंगलवार को क्षेत्रीय विधायक बृजेश रावत ने मोहन कस्बा में भवन स्वामियों सहित पीडब्ल्यूडी जेई के साथ बैठक कर दीपावली तक चौड़ी करण न हो इसके बात की साथ ही आश्वासन दिया कि उच्च अधिकारियों व मुख्यमंत्री से मिलकर चौड़ीकरण ना हो इसके लिए बात करेंगे ताकि भवन स्वामियों के मकान न टूटने पाए पीडब्ल्यूडी जेई हरि शंकर ने बताया कि विधायक बृजेश रावत ने मोहन नगर पंचायत कार्यालय में कस्बे वासियों के साथ बैठक की है उन्होंने दीपावली तक समय मांगा है और कहा है कि सीएम से मिलकर कस्बा में चौड़ी करण न हो इसके लिए आग्रह करेंगे ताकि गरीबों के मकान न टूटने पाए,तब तक के लिए चौड़ी करण कार्य रोक दिया गया है।

भवन स्वामियों की मांग

कस्बा मोहान के भवन स्वामी अनिल सोनी, शिव बालक, मोहम्मद ताहिर, तरंग साहू, आदर्श सोनी, रंजीत गौतम, प्रदीप गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, राजकुमार चौरसिया, राजेश कश्यप, बड़क्के कश्यप, श्यामजी निगम सहित अन्य ने उपमुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कस्बे में चौड़ीकरण न करने की मांग उठाई है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने चार लोगों को मारी टक्कर, दो महिलाओं की मौत, दो युवक घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर राजमार्ग पर उन्नाव के दही थाना क्षेत्र में सोमवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हंस धर्म कांटे के पास सड़क पार कर रहे चार लोगों को एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। मृतकों में ज्योति श्रीवास्तव (50) और रानी सिंह (50) शामिल हैं। ज्योति की मौत मौके पर ही हो गई। रानी सिंह ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घायलों में रमेश (30) और कृष्णा (20) शामिल हैं। दोनों नवाबगंज अजगैन के रहने वाले हैं। डॉक्टरों ने उनकी स्थिति गंभीर बताई है। दोनों को जिला अस्पताल में निगरानी में रखा गया है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सभी लोग सड़क पार कर रहे थे। तभी तेज गति से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों लोग दूर जा गिरे। मृतका ज्योति श्रीवास्तव चौधरी ओवरसीज में काम करती थीं। वह अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही थीं। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

थानाध्यक्ष दही ने बताया कि फरार वाहन और चालक की तलाश जारी है। राजमार्ग के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इससे वाहन और चालक की पहचान में मदद मिल सकती है।

कौमी झंडे को लेकर दो समुदायों के बीच हुआ विवाद , पुलिस ने मामला कराया शांत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। आसीवन क्षेत्र में सोमवार देर शाम कौमी झंडे को लेकर दो समुदायों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गयी ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले गयी और दोनों पक्षों को समझा बुझाकर किसी तरह मामला शांत कराया साथ ही दोनों पक्षों से पांच लोगों का शांतिभंग में चालान कर दिया। सहबसी गांव में पड़ोसी गांव बरहा कला निवासी युवक समीर सहबसी में मकान खरीद कर अवैध अस्पताल चलाता है ग्रामीणों का आरोप है कि इससे पहले हम ग्राम वासी दोनों समुदाय आपस में प्रेम से रहते थे जब से यह गांव आया है तब तरह तरह की गतिविधियां किया करता है कहीं अवैध मदरसा संचालन कभी कौमी झंडे लगाना इसी बात से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार रात इकठ्ठा होकर झंडे का विरोध किया वाद विवाद बढ़ने पर हजारों की संख्या में दोनों समुदाय के लोग इकठ्ठा हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह शांत कराया और दोनों पक्षों से पांच लोगों समीर, साबिर, नासिर, इरफान,व रामबीर का शांतिभंग में चालान कर दिया है इस सम्बंध में थाना प्रभारी अरविंद कुमार पाण्डेय ने बताया कि झंड़ा लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था जिसमें कार्यवाही करते हुये पांच लोगों के खिलाफ शांतिभंग में चालान कर दिया है और गांव में स्थित शांति पूर्ण है।

जल स्तर हुआ कम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गंदगी का लगा अंबार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे आ गया है। जलस्तर में कमी से बाढ़ प्रभावित इलाकों में पानी उतर रहा है। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार, रविवार शाम 6 बजे गंगा का जलस्तर 112.370 मीटर था। सोमवार शाम यह घटकर 112.210 मीटर और मंगलवार सुबह 112.170 मीटर पर पहुंच गया। पानी उतरने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में गंदगी का अंबार लग गया है। गली-मोहल्लों में जमा कीचड़ और सड़ांध से लोगों को परेशानी हो रही है। घरों में नमी और सीलन बढ़ने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को सफाई और दवा छिड़काव की व्यवस्था करनी चाहिए।ग्राम पंचायतें और नगर निकाय की टीमें प्रभावित इलाकों में सफाई और कीटनाशक का छिड़काव कर रही हैं। कई मोहल्लों में नालियां अभी तक साफ नहीं हुई हैं। कचरा और कीचड़ जमा है। संक्रमण के डर से लोग बच्चों और बुजुर्गों को घर से

बाहर कम निकाल रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के खतरे को देखते हुए चिकित्सा दलों को अलर्ट कर दिया है। टीमों को प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बच्चा न होने पर पति ने पत्नी को मारपीट कर घर से निकालने का किया प्रयास

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गाव मुतफाबाद निवासी एक महिला को शादी के 16 साल बाद भी बच्चा पैदा होने पर पति और परिवार अक्सर मारपीट कर घर से निकालने का प्रयास करते है।घायल महिला ने पति व ससुराल के अन्य लोगों पर बच्चा न होने पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। घायल महिला को सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया।वही घायल महिला ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

उन्नाव के नेवलगंज निवासी कमलेशा की शादी वर्ष 2009 में गाव मुतफाबाद में की गई थी। कमलेशा का आरोप है कि शादी के कई साल बाद भी बच्चा पैदा न होने पर उसके पति व ससुराल के अन्य सदस्यों ने प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उसने आरोप लगाया कि बच्चा न होने को लेकर कुछ माह पूर्व भी मारपीट की गई थी। सोमवार रात साढ़े नौ बजे उसके पति ने उसे फिर से बेरहमी से मारपीट कर घर से निकलने का प्रयास किया।किंतु महिला डटी रही और मार खाती रही.घायल महिला को उपचार के लिए बांगरमऊ सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है जांच की जा रही है ।

निराला उद्यान पार्क में शिक्षकों ने किया धरना प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ उन्नाव के जिलाध्यक्ष एवम्-प्रांतीय मन्त्री बृजेश पाण्डेय एवम्-जिला महामंत्री गजेन्द्र वर्मा, जिला कोषाध्यक्ष विनोद तिवारी एवम्-वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को जिलेभर के भारी संख्या में शिक्षकों ने निराला उद्यान पार्क में उपस्थित होकर विशाल धरना प्रदर्शन कर सुप्रीम कोर्ट के टीईटी अनिवार्यता के फैसले का विरोध कर जोरदार प्रदर्शन किया। संघ का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, अगले दो वर्ष के भीतर टीईटी पास करना अनिवार्य होगा, अन्यथा नौकरी छोड़नी पड़ सकती है। इस आदेश से देशभर के लगभग 40 लाख और उत्तर प्रदेश के करीब चार लाख परिवार प्रभावित होंगे। इस फैसले से असंतुष्ट शिक्षकों ने विरोध तेज कर दिया है। जिसके तहत हजारों आक्रोशित शिक्षकों ने धरने के दौरान भयंकर नारेबाजी कर काला कानून वापस लो के नारे लगाकर टीईटी अनिवार्यता के आदेश को वापस लेने की केंद्र सरकार से माँग की। जिसको लेकर धरना प्रदर्शन के बाद शिक्षकों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर माननीय प्रधानमंत्री और शिक्षामंत्री भारत सरकार को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ उन्नाव के जिलाध्यक्ष एवम्-प्रांतीय मन्त्री बृजेश पाण्डेय ने उपस्थित शिक्षकों एवम् पदाधिकारियों के भारी हुजूम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने 29 जुलाई 2011 से शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य की थी। उससे पहले तैनात शिक्षकों के लिए यह नियम लागू नहीं था। इसलिए 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट प्रदान करने हेतु संसद में संशोधन कर आरटीई एक्ट लागू होने से पहले नियुक्त हुए शिक्षकों को इससे मुक्त किया जाना चाहिए। अनेक शिक्षक जिनकी आयु पचास से पचपन वर्ष के बीच है वे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझते हुए भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। ऐसे में उनसे दोबारा पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षा देने की अपेक्षा अव्यावहारिक है। जिलामंत्री गजेन्द्र वर्मा ने धरने को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक भी शिक्षक सशंकित न हो। ज्ञापन के माध्यम से समस्या के निराकरण हेतु सरकार से अनुरोध किया गया है। यदि शीघ्र ही समाधान न हुआ तो संगठन आर पार की लड़ाई सड़क से संसद तक करने को तैयार हैं। लखनऊ से दिल्ली तक हर स्तर पर संघर्ष का आगाज होगा। शिक्षक समाज का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धरना प्रदर्शन के बाद जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय के नेतृत्व में हजारों शिक्षकों का यह हुजूम टीईटी अनिवार्यता के आदेश के विरोध में नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुँचा और जबरदस्त आक्रोश और नारेबाजी करते हुए माननीय प्रधानमंत्री और शिक्षामंत्री भारत सरकार को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।विशाल धरना प्रदर्शन में संघर्ष समिति जिलाध्यक्ष डॉ रचना सिंह, जिला उपाध्यक्ष सूर्यकांत सिंह, उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश द्विवेदी, जिला मीडिया प्रभारी मदन पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष प्रत्यूष मिश्र, ब्लॉक अध्यक्ष सुमेरपुर विनोद सिंह, बीघापुर विश्वनाथ सिंह, औरास शशांक भूषण तिवारी, बिछिया कन्हैयालाल, गंजमुरादाबाद अजय कटियार, असोहा संदीप द्विवेदी, हिलौली विकास सिंह, मियागंज अविनाश तिवारी, कर्ण अभिषेक मिश्र, सरोसी प्रदीप द्विवेदी, तहसील प्रभारी पुरवा शिवम चौरसिया, संघर्ष समिति सुमेरपुर अध्यक्ष देश दीपक पाण्डेय, मंत्री सुमेरपुर वरुण मिश्रा, एफ चौरासी रज्जू प्रसाद, प्रशांत शुक्ला, महेन्द्र प्रताप सिंह, मणि शंकर तिवारी, अरुणेन्द्र प्रताप सिंह, अखण्ड प्रताप सिंह, रामदेव यादव, योगेश यादव, अरविंद सिंह, संदीप शुक्ल, श्यामू चौरसिया, महेंद्र समेत संगठन के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएँ मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को दिया शिकायत पत्र

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर का एक उर्वरक विक्रेता निर्धारित दर से 400 रुपए प्रति बोरी अधिक दाम लेकर धड़ल्ले से डीएपी खाद की बिक्री कर रहा है। भारतीय किसान यूनियन कार्यकताओं ने एसडीएम से विक्रेता के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग उठाई है।भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ता सुख सागर, सरोज कुमार, माता प्रसाद, श्याम कुमार, पप्पू, राम बाबू व राम सजीवन आदि द्वारा उपजिलाधिकारी नवीन चन्द्र को सौंपे गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि आज दिनांक 16 सितंबर को नगर के स्थित एक निजी खाद बिक्री केंद्र पर डीएपी खाद खरीदने गए थे। जहां विक्रेता ने एक बोरी डीएपी खाद की सरकारी दर 1350 रुपए के बजाए 400 रुपए अधिक अर्थात 1750 रुपए की मांग की। किसानों ने जब विक्रेता से रसीद देने की मांग उठाई तो विक्रेता ने रसीद देने से इंकार करते हुए कहा कि वह अपनी मर्जी की दर से डीएपी खाद की बिक्री करेगा। जिसको जहां भी शिकायत करना है, वह कर सकता है। चूंकि अब रवी की फसल की बुआई के लिए किसानों को डीएपी खाद की शख्त जरूरत है। इसलिए अधिकांश निजी खाद बिक्री केंद्र फास्फेट खाद भी ब्लैक में बिक्री करने में जुटे हुए हैं। इसके पूर्व खरीफ की फसल के समय यही निजी विक्रेता यूरिया खाद भी खुलेआम निर्धारित दर से 400 रुपए अधिक दाम लेकर बिक्री कर चुके हैं।

ग्राम पंचायतों में चलाया जा रहा प्लास्टिक मुक्त अभियान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। ब्लाक सिकंदरपुर कर्ण की 14 ग्राम पंचायतों में सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जगजीवन पुर ग्राम पंचायत भवन में मंगलवार को नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया।जिसमें प्लास्टिक के प्रयोग से होने वाली हानियों , पर्यावरण व जल प्रदूषण प्रभावित होने के साथ ही दुधारू व बेसहारा पशुओं को पहुंचने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया गया। गोष्ठी को बीडीओ फहद खान ,एडीओ पंचायत निर्मल कुमार ने संबोधित किया। संचालन पंचायत सचिव धीरेन्द्र रावत ने किया । ग्राम प्रधान मनीष मिश्र ने आये हुए सभी आगंतुकों का स्वागत कर आभार जताया। प्रधान संजय यादव बदरका, दिलीप यादव करौंदी व प्रधान ताजपुर नौबस्ता हरिओम द्विवेदी, अंकिता श्रीवास्तव, विमलेश रावत , चंद्रकांत अवस्थी शैलेन्द्र त्रिपाठी , विमल रावत आदि मौजूद रहे ।

सांसद पर अभद्र टिप्पणी करने वाला युवक हुआ गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। लोधी सभा के जिला अध्यक्ष की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने युवक को अपनी हिरासत में लेकर मुकदमा पंजीकृत करते हुए न्यायालय में पेश किया न्यायालय ने युवक को भेजा जेल थाना बिहार चौकी भगवंत नगर के अंतर्गत ग्राम संगन खेड़ा मजरा पिथई खेड़ा निवासी रमाकांत लोधी के खिलाफ राष्ट्रीय लोधी महासभा के जिला अध्यक्ष आशीष कुमार बाबा की शिकायत प्रार्थना पत्र संबंधित थाने में दिया कि रमाकांत लोधी के द्वारा लगातार हमारे राष्ट्रीय लोधी महासभा के अध्यक्ष व सांसद डॉक्टर हरि साक्षी महाराज पर अभद्र टिप्पणी लगातार किए जाने से समाज में इसका असर लगातार विपरीत जा रहा है जहां लोधी सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व जनपद उन्नाव के सांसद की बात आई तब पुलिस ने बिना कुछ देरी किए युवक को हिरासत में लेकर प्रार्थना पत्र के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय में पेश किया न्यायालय ने युवक को जेल भेज दिया

भारतीय जनता पार्टी विधानसभा पुरवा के पूर्व प्रत्याशी व लोधी समाज के तेज तर्रार नेता उत्तम चंद्र लोधी उर्फ राकेश लोधी को जैसे ही जानकारी मिली कि रमाकांत लोधी को जेल भेजा गया वैसे ही मंगलवार को सुबह अपने कार्यकताओं के साथ तहसील पहुंचकर उप जिलाधिकारी रनवीर सिंह से वार्ता किया और शीघ्र ही रिहाई की बात की उप जिलाधिकारी ने कहा की औपचारिकता पूरी होने पर शीघ्र ही हम रिहाई का आदेश बनवा देंगे

बस ने ऑटो में मारी टक्कर, ऑटो चालक हुआ घायल

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के लालकुंआ-ऊंचगांव मार्ग पर सारूखेड़ा गांव के सामने बस ने ओवरटेक करने के चक्कर में ऑटो में पीछे से टक्कर मार दी जिससे ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

बारा सगवर थाना क्षेत्र के गांव पजनखेड़ा निवासी प्रदीप कुमार पुत्र विश्राम 26 वर्ष खाली ऑटो लेकर बारा से लालकुआं की ओर आ रहा था। सारूखेड़ा के पास ऊंचगांव से लालकुंआ की ओर आ रही बस ने ओवर टेक करने के चक्कर में ऑटो में टक्कर मार दी जिससे ऑटो पलट गया और चालक प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस को सूचना दी, विलम्ब होने पर स्थानीय लोगों ने निजी साधन से सौ शैय्या हॉस्पिटल बीघापुर पहुंचाया। कमर में गंभीर चोट होने के चलते घायल को एमआरआई व एक्सरे के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्र ने बताया कि मौके पर पुलिस बल भेजा गया था। घायल द्वारा तहरीर मिलने के बाद कार्यवाही की जाएगी। सीसीटीवी के माध्यम से टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है।

रेलवे ट्रैक पर दो युवक घायल अवस्था में मिले एक की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कानपुर-बालामऊ रेल रूट पर मंगलवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हुआ। सफीपुर स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर दो युवक गंभीर रूप से घायल मिले। घायलों की पहचान सादुल्लापुर गांव के शुभम लोध (21) और आनंद लोध (22) के रूप में हुई। घटना की जानकारी ट्रेन चालक ने सफीपुर स्टेशन अधीक्षक को दी। स्टेशन के गेटमैन दिनेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर देखा कि किलोमीटर संख्या 36/17 पर छल्लर नंबर 31 के पास दोनों युवक घायल पड़े थे। शुभम के सिर पर गंभीर चोटें थीं और आनंद का पैर कट गया था।पुलिस और रेलवे कर्मियों ने दोनों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया। आनंद के परिजन उसे निजी अस्पताल शुक्लागंज गंगाघाट ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शुभम का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है और उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि दोनों युवक देर रात रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे और ट्रेन की चपेट में आ गए। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नेपाल में 'जेन जी' आंदोलन प्रथम दृष्टया एकदम स्वतः स्फूर्त प्रतीत हो रहा था। किंतु कुछ ही घंटों के पश्चात स्पष्ट हो गया कि आंदोलन केवल एक विरोध भर नहीं है। क्योंकि नौजवान आंदोलन में बहुत भारी संख्या में हिंसक उपद्रवी दाखिल हो गए। राजतंत्र की पुनर्स्थापना के हिंसक समर्थक और विदेशी एजेंट बड़ी तादाद में नेपाल में जनतंत्र विरोधी एजेंडे को अंजाम देने के लिए विध्वंस में उतर गए। नेपाल में सन् 2008 के बाद से अभी तक के 17 वर्षों के दौरान 13 प्रधानमंत्री राजसत्ता के शिखर पर आसीन हुए। तकरीबन सभी नेपाली राजनेताओं के भ्रष्टाचारी दलदल में आकंठ तक डूब जाने के कारण विद्यार्थियों में विद्रोह की विकट भावना को जाग्रत कर दिया। एक तरफ नेपाल में राजनेताओं के परिवारों की विलासपूर्ण जिंदगी की तस्वीरें और दूसरी तरफ नेपाली नौजवानों में 21 प्रतिशत बेरोजगारी और गुरबत। इन विकट हालात ने नौजवानों में बगावत की आग उत्पन्न की। संसदीय जनतंत्र के 17 वर्ष के दौर में राजनेताओं द्वारा नौजवानों की बेरोजगारी और उचित मांगों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अख्तियार किया गया। नेपाली जनतंत्र के नेताओं और नौजवानों के मध्य ऐसी गहरी खाई उत्पन्न हो गई कि जिसे पाटना तकरीबन नामुमकिन हो गया। यही आंदोलन का कारण रहा। नेपाल के आंदोलन का विश्लेषण करता आजकल का खास अंक...

नेपाल में युवा विद्रोह की जड़ें कहां

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में नौजवानों के हिंसक विद्रोहों के मध्य बहुत कुछ एक सा घटनाक्रम प्रतीत होता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल तीनों देशों के नौजवान बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से संत्रस्त रहे हैं। तीनों देशों के नौजवानों में बेरोजगारी की दर तकरीबन 20 प्रतिशत रही है अर्थात पांच नौजवानों के मध्य से एक नौजवान बेरोजगारों की कतार में हताश-निराश खड़ा हुआ है। नौजवानों के हिंसक विद्रोह का शिकार बने तीनों देशों के शासक रणनीतिक और राजनीतिक तौर पर कम्युनिस्ट चीन के अत्यंत निकट रहे थे और भ्रष्टाचार के संगीन इल्जामों से घिरे रहे। दक्षिण एशिया का जो भी राष्ट्र चीन के निकट हो जाता है, वो स्वतः ही अमेरिका को खटकने लगता है।

श्रीलंका में जुलाई 2022, इसके पश्चात बांग्लादेश में अगस्त 2024 और नेपाल में सितंबर 2025 में नौजवान विद्रोहियों द्वारा राजसत्ता के प्रतिष्ठानों पर भीषण हिसंक आक्रमण अंजाम दिया गया। अंततः तीनों देशों के शासकों को राजसत्ता से बेदखल कर दिया गया। तमिल टाइगरों के विरुद्ध सैन्य संग्राम जीतने वाले श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को नौजवानों के हिंसक आक्रमण से जान बचाकर श्रीलंका से पलायन करना पड़ा। श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन पर नौजवान विद्रोहियों ने आधिपत्य स्थापित कर लिया था। महिंदा राजपक्षे के प्रधानमंत्री कार्यालय को जला कर खाक कर दिया गया। बांग्लादेश में नौजवान विद्रोहियों द्वारा सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ प्रारम्भ किए गए आंदोलन की विध्वंसकारी हिंसा के कारणवश बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपनी जान बचाकर भारत में राजनीतिक शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश में भी शेख हसीना के प्रधानमंत्री निवास का विध्वंस करके उपद्रवियों ने लूटपाट अंजाम दी थी। नेपाल में हिंसक युवा उपद्रवियों द्वारा 8 और 9 सितंबर को दुर्भाग्यपूर्ण तौर पर नेपाल को विध्वसंकारी आग में झोंक दिया गया। नेपाल का संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट, सिंह दरबार का शासकीय सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय सहित आदि अनेक अत्यंत महत्वपूर्ण शासकीय इमारतों को महज दो ही दिनों में जला कर खाक़ कर दिया गया। हिंसक उपद्रवों की ज्वालाओं से सरकारी संस्थानों में केवल काठमांडू का एयरपोर्ट ही अब शेष बच सका।

जनतांत्रिक राजसत्ता का आत्मसमर्पण

यक्ष प्रश्न है कि नेपाली सैन्य दस्तों की सशक्त उपस्थिति में नेपाली जनतंत्र के इन समस्त महत्वपूर्ण स्तंभों को हिंसक उपद्रवियों द्वारा विध्वंसक आग के हवाले आखिरकार कैसे कर दिया? नेपाल के वित्तमंत्री को बेरहमी से पीटा गया। इंतहा तो ये हुई कि हिंसक उपद्रवियों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल की पत्नी राजलक्ष्मी को उनके निवास में जिंदा जला दिया गया। नेपाल में अनेक वरिष्ठ राजनीतिक लीडरों केपी शर्मा ओली, शेरबहादुर देऊबा, पुष्प कमल प्रचंड आदि के जीवन को हिंसक उपद्रवियों की आक्रामक हिंसा से किसी तरह से बचाया जा सका। तत्पश्चात 10 सितंबर को नेपाल की जनतांत्रिक राजसत्ता ने आत्मसमर्पण कर दिया। नेपाली सरकार की कमान को कुछ दिनों के लिए सेना द्वारा संभाल लिया गया। फिलहाल रिटायर्ड चीफ जस्टिस सुशीला कार्की को नेपाल का अंतरिम प्रधानमंत्री मनोनीत कर दिया गया। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में नौजवानों के हिंसक विद्रोहों के मध्य बहुत कुछ एक सा घटनाक्रम (पैटर्न) प्रतीत होता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल तीनों देशों के नौजवान बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से संत्रस्त रहे हैं। तीनों देशों के नौजवानों में बेरोजगारी की दर तकरीबन 20 प्रतिशत रही है अर्थात पांच नौजवानों के मध्य से एक नौजवान बेरोजगारों की कतार में हताश-निराश खड़ा हुआ है। नौजवानों के हिंसक विद्रोह का शिकार बने तीनों देशों के शासक रणनीतिक और राजनीतिक तौर पर कम्युनिस्ट चीन के अत्यंत निकट रहे थे और भ्रष्टाचार के संगीन इल्जामों से घिरे रहे। दक्षिण एशिया का जो भी राष्ट्र चीन के निकट हो जाता है, वो स्वतः ही अमेरिका की निगाहों में खटकने लगता है। तीनों देशों में अमेरिका द्वारा पोषित और प्रेरित कथित स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से नौजवानों के मध्य फैले हुए गहन असंतोष और आक्रोश को चीन समर्थक राजसत्ता के विरुद्ध खड़ा किया जाता है।

नेपाल में 'जेन जी' का आंदोलन

बांग्लादेश में जेहादी आतंकवादी तंजीम हिजबुल तहरीर के एक सरगना महफूज आलम के माध्यम से जमात-ए-इस्लामिया से संबद्ध इस्लामी छात्र शिबिर संगठन को अमेरिका द्वारा करोड़ो डॉलरों की अकूत फंडिग की गई, ताकि शेख हसीना की हुकूमत का तख्ता पलट किया जा सके। आजकल जेहादी सरगना रहा महफूज आलम बांग्लादेश की मोहम्मद यूनूस हुकूमत में एक उच्च पद पर आसीन है। नेपाल में 8 सितंबर को 36 वर्षीय सुदन गुरंग के स्वयंसेवी संगठन 'हमी नेपाल' द्वारा संगठित और संचालित 'जेन जी' के परचम तले नौजवान विद्यार्थियों का आंदोलन प्रारम्भ हुआ। उल्लेखनीय है कि सूदन गुरंग के कथित स्वयंसेवी संगठन 'हमी नेपाल' को करोड़ों डॉलर की अकूत राशि अमेरिका से प्राप्त होती रही है। नेपाल में आकस्मिक तौर पर उत्पन्न हुई राजनीतिक अस्थिरता और अराजकता वस्तुतः भारत के लिए गहन गंभीर चिंता और सोच विचार का विषय है। नेपाल में निरंतर गति से बढ़ती हुई आर्थिक विषमता, नौजवानों के मध्य फैली भयावह बेरोजगारी, राजनेताओं का बेलगाम भ्रष्टाचार और परिवारवाद वस्तुतः युवा आक्रोश की बुनियाद में निहित रहा है।

आंदोलन में हिंसक उपद्रवी हुए दाखिल

युवा विद्यार्थियों की जायज मांगों को लेकर प्रारम्भ हुआ 'जेन जी' आंदोलन प्रथम दृष्टया एकदम स्वतः स्फूर्त प्रतीत हुआ। किंतु कुछ ही घंटों के पश्चात स्पष्ट हो गया कि आंदोलन कदाचित स्वतः स्फूर्त नहीं रह गया। क्योंकि नौजवान आंदोलन की पांतों में 8 सितंबर की दोपहर तक बहुत भारी संख्या में हिंसक उपद्रवी दाखिल हो गए। नेपाल में राजतंत्र की पुनर्स्थापना के हिंसक समर्थक और विदेशी एजेंट बड़ी तादाद में नेपाल में जनतंत्र विरोधी एजेंडे को अंजाम देने के लिए विध्वंस में उतर गए। हिंसा रोकने के प्रयास में 8 सितंबर को पुलिस फायरिंग में 20 उपद्रवी हलाक हो गए और तकरीबन चार सौ जख्मी हो गए। अभी तक हलाक होने वालो की संख्या 50 से अधिक हो चुकी है। बड़े पैमाने पर नेपाली सैनिक टुकड़ियों की मौजूदगी में हिंसक उपद्रवियों ने महत्वपूर्ण शासकीय भवनों को जला कर खाक कर दिया। उल्लेखनीय है कि नेपाली सेना का मुख्यालय संसद भवन के ठीक पीछे स्थित है। संसद भवन को जब उपद्रवियों द्वारा जलाया जा रहा था, तो उस वक्त सैन्य दस्ते वहां पर बड़ी संख्या में तैनात थे, किंतु हिंसक उपद्रवियों के विरुद्ध कोई सैन्य कार्रवाई अंजाम नहीं दी गई। दीर्घ कालीन जन संघर्षों के तत्पश्चात 28 मई 2008 को नेपाल की धरा पर 239 वर्ष पुराने राजतंत्र को दफ़ना कर संसदीय जनतंत्र का उदय हुआ। सन् 1996 में पुष्प कमल प्रचंड की कयादत में प्रारम्भ हुए गुरिल्ला युद्ध द्वारा 2008 में राजतंत्र को उखाड़ फेंका गया। प्रचंड के नेतृत्व वाली गुरिल्ला सेना ने राजा ज्ञानेंद्र के नेतृत्व वाली नेपाली शाही सेना को करारी शिकस्त दी और राजधानी काठमांडू को चारों तरफ से घेर लिया। नेपाल में माओवादी कम्युनिस्टों की सैन्य फतह से अमेरिका हतप्रभ होकर रह गया। प्रचंड की कयादत में कम्युनिस्ट यदि चाहते तो उसी वक्त नेपाल में अपनी तानाशाह हुकूमत कायम कर सकते थे, किंतु कम्युनिस्टों ने संसदीय जनतंत्र स्थापित करने का शानदार निर्णय लिया, क्योंकि कम्युनिस्ट तानाशाही के भयंकर दुष्परिणाम सोवियत संघ में देख चुके थे। संविधान निर्माण के बाद 2015 में राजतंत्र के स्थान पर बाकायदा संसदीय जनतंत्र स्थापित किया गया। नेपाल की धरा पर राजतंत्र विरोधी जनतांत्रिक इंकलाब का एक दौर कामयाब हो गया। जनतंत्र स्थापन के वक्त से ही राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रति-क्रांतिकारी नेपाल के जनतंत्र का खात्मा करने की खातिर सक्रिय हो गए। नेपाल में राजतंत्र के विरुद्ध कम्युनिस्टों की ऐतिहासिक कामयाबी और समूचे नेपाल में वामपंथ की जबरदस्त लहर से विश्वपटल पर नव साम्राज्यवाद का सरगना मुल्क अमेरिका अत्यंत चिंतित हो गया।

चीन समर्थक वामपंथी सत्ता के खिलाफ अमेरिका

चीन समर्थक वामपंथी सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए अमेरिका ने बड़े धीरज के साथ वाजिब वक्त का लंबा इंतजार किया। नेपाल में सन् 2008 के बाद से अभी तक के 17 वर्षों के दौरान 13 प्रधानमंत्री राजसत्ता के शिखर पर आसीन हुए। तकरीबन सभी नेपाली राजनेताओं के भ्रष्टाचारी दलदल में आकंठ तक डूब जाने के कारण नेपाल के नौजवान विद्यार्थियों में विद्रोह की विकट भावना को जाग्रत कर दिया। एक तरफ नेपाल में राजनेताओं के परिवारों की विलासपूर्ण जिंदगी की तस्वीरें और दूसरी तरफ नेपाली नौजवानों के मध्य फैली हुई 21 प्रतिशत बेरोजगारी और गुरबत। इन विकट हालात ने नौजवानों में बगावत की आग उत्पन्न की। संसदीय जनतंत्र के 17 वर्ष के दौर में राजनेताओं द्वारा नौजवानों की बेरोजगारी और उचित मांगों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अख्तियार किया गया। नेपाली जनतंत्र के नेताओं और नौजवानों के मध्य ऐसी गहरी खाई उत्पन्न हो गई कि जिसे पाटना तकरीबन नामुमकिन हो गया। नेपाल के जनतंत्र का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण वृतांत है कि माओवादी गुरिल्ला युद्ध का सर्वोच्च लीडर रहा पुष्प कमल दहल प्रचंड भी भ्रष्टाचारी लीडरों की इस जमात में शामिल हो गया। इसकी कयादत करने के लिए हुकूमत को कोई भी ईमानदार प्रधानमंत्री हासिल नहीं हो सका।

हिंसक वारदातों से गहन सबक ले भारत

नेपाल में राजतंत्र के मुकम्मल खात्मे और जनतंत्र में वामपंथियों के सत्तासीन हो जाने से सबसे अधिक तकलीफ अमेरिका को रही। 28 फरवरी 2003 को वाशिंगटन में अमेरिका के विदेश मंत्री डोनाल्ड कैंप ने एक समारोह में तक़रीर करते हुए फरमाया था कि यदि नेपाल में कम्युनिस्टों को कामयाबी मिल जाती है तो इससे दक्षिण एशिया में अमेरिका के राष्ट्रीय हितों को गहन क्षति पहुंचेगी। उन्होंने यह भी कहा था कि नेपाल की स्थिति पर अमेरिका 'हर लम्हा' अपना ध्यान केंद्रीत किए हुए है। यह उस वक्त की बात है, जब नेपाल में भीषण गृहयुद्ध चल रहा था। नेपाल में संसदीय जनतंत्र की स्थापना के तत्पश्चात अमेरिका ने नेपाली सेना की पांतों में शनैः शनैः घुसपैठ प्रारम्भ की और जनतंत्र की स्थापना के बाद यह काम अत्यंत तेजी के साथ अंजाम दिया गया। अब तक परंपरागत तौर पर माना जाता रहा है कि भारत और नेपाल की सैन्य शक्तियों के मध्य एक बिरादराना संबंध कायम रहे हैं। भारत की गोरखा रेजिमेंट में नेपाल के तकरीबन पचास हजार सैनिक विद्यमान रहे हैं। लेकिन अमेरिका की सैन्य घुसपैठ पर आम तौर पर नेपाल के भी राजनेताओं ने ध्यान नहीं दिया। अगर इस तरफ प्रचंड का ध्यान दिलाया गया किंतु इसे कदाचित गंभीरता से नहीं लिया। राजतंत्र के दौर से ही नेपाली सेना के 200 से भी ज्यादा सैन्य सलाहकार अमेरिकी रहे हैं। सर्वविदित है कि अमेरिका की डीप स्टेट का मुख़्तलिफ़ मुल्कों में तख्ता पलट कराने में ऐतिहासिक किरदार रहा है। अमेरिका भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक देश रहा है। आजकल भारत और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक कटुता कायम है। भारत को भी नेपाल के जनतंत्र विरोधी हिंसक वारदातों से गहन सबक हासिल करना चाहिए।

पड़ोसी देशों में तख्तापलट का खेल

कूटनीति
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र स्तंभकार

शासन विस्थापन के लिए एक वर्ष पहले बांग्लादेश में जो अराजकतापूर्ण व हिंसक आंदोलन हुआ था, उसकी आड़ लेकर कठमुल्लों ने हिंदुओं पर अत्याचार आरंभ कर दिया था, तो उस देश के बारे में भारत में चिंतायें उभर आई थीं। किंतु नेपाल तो सामाजिक व सांस्कृतिक रूप में हिंदू राष्ट्र ही है, तब वहां शासन विस्थापना की हिंसक अराजकता क्यों उत्पन्न हुई और चार-पांच दिन क्यों फैली रही। तथ्यों के आधार पर यही कारण सामने आया है कि वहां वामपंथी विचारधारा के नेताओं ने नेपाल के सार्वजनिक जीवन व लोगों के लिए कुछ नहीं किया। परिणाम में बहुत दिनों से सत्तारूढ़ नेताओं के प्रति जनविद्रोह पनप रहा था और चार-पांच दिन पहले वह चरम पर पहुंच गया।

भारत के दायें-बायें तथा यहां-वहां जो छोटे-छोटे देश हैं वहां जैसे-तैसे स्थापित शासन जनांदोलन द्वारा उखाडे. जाते रहे हैं। नेपाल से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका जैसे देश ऐसी अराजकताएं झेल चुके हैं। दक्षिण एशिया के ये देश अभी तक तो अमेरिका, चीन और रूस के राजनीतिक, आर्थिक एवं रणनीतिक प्रयोजन के लिए शासन विस्थापन की अराजकतायें झेल रहे थे, किंतु अब भारत के वर्चस्व को कम या समाप्त करने के लिए भारत के चहुंओर स्थित छोटे-छोटे देशों को अस्थिर करने का कुचक्र चलाया जा रहा है।

कुचक्रव्यूह में अमेरिका शामिल

इस कुचक्रव्यूह में प्रथम भूमिका अमेरिका की है। अमेरिका से आशय वहां के उन डीप स्टेट्स यानी छुपे हुये गुप्त शासकों से है जो भारत में अपनी पसंद के शासन की स्थापना करने में बार-बार विफल हो रहे हैं। ये डीप स्टेट्स वही हैं जो ट्रंप शासन के माध्यम से भारत को अपने डेयरी उत्पाद खरीदने के समझौते करने को बाध्य कर रहे हैं। ये चाहते हैं कि सबसे अधिक जनसंख्या धारी भारत उनके उन सभी उत्पादों को उनकी शर्तों पर खरीदने के अनुबंध कर ले, जो भारत में धार्मिक-सांस्कृतिक-आध्यात्मिक जीवन पद्धतियों के अनुरूप पूर्णरूपेण बड़ी मात्रा में अनुचित एवं वर्जित ही होंगे। हां, भारत का नास्तिक जनसमूह तथा इनके राजनीतिक प्रतिनिधि अपने जनसंचारिक ईकोसिस्टम के माध्यम से अमेरिका स्थित डेयरी तथा अन्य कंपनियों के डीप स्टेट्स तक अवश्य ही ये सूचनायें भेजते रहते हैं कि भारत में हमारे सत्तारूढ़ होने पर अमेरिकी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाएंगे। इसी लिए अमेरिकी तथा इनके अनुसरणकर्ता यूरोपीय देशों के डीप स्टेट्स द्वारा भारतीय शासन को अस्थिर करने व अपनी पसंद के शासक को सत्तारूढ़ करने की परिस्थितियां निर्मित करने के लिए नेपाल, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान के माध्यम से आंदोलन का वातावरण बनाया जाता रहा है।

डीप स्टेट्स की मंशा अधूरी

विगत दस-बारह वर्षों से भारत के विभिन्न प्रदेशों के विधानसभा चुनावों एवं लोकसभा चुनावों से पहले अलग-अलग तरह के विद्रोही गुटों को यहां-वहां सड़कों पर बैठाकर धरना-प्रदर्शन किए जाते रहे हैं। जब इस स्वदेशी विधि से भारत से

लेकर अमेरिका तक फैले डीप स्टेट्स की मंशा पूरी नहीं हुई, तो उन्होंने कभी श्रीलंका, कभी बांग्लादेश, कभी अफगानिस्तान तथा कभी पाकिस्तान में कराये गये अराजक आंदोलनों का सहारा लिया और अब वे नेपाल में आंदोलन कराकर भारत के लिये भूराजनीतिक संकट खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु भारत अडिग है। भारतीयता की शक्ति अजेय है। भारत में या विदेश में कहीं कोई भी डीप स्टेट या अनेक डीप स्टेट्स हों, वे अंततः पराजित ही होंगे।

शुक्र है कि अब तक उनकी पराजय भारत के संयम एवं धैर्यबंध से ही हो रही है। जिस दिन भारत, विरोधियों की भांति अराजकतापूर्ण ढंग से आक्रमण करेगा, उस दिन दुनिया की छुपी हुई मक्कार शक्तियों को खुले में सबके सामने उनके किए का मृत्युदंड मिल रहा होगा। नेपाल की घटना के संदर्भ में एक स्वाभाविक जिज्ञासा ये भी उभरती है कि जब ऐसे देशों के शासक अपना शासकीय पदाधिकार सुरक्षित रखने में असमर्थ हैं और उग्रवादियों के सामने घुटने टेक भागने व अन्य देश में शरण लेने को विवश हो जाते हैं, तो फिर इन देशों के अस्तित्व की आवश्यकता ही क्यों है। यह बात बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान तथा शक्तिशाली देशों की मर्जी पर जैसे-तैसे चल रहे सभी देशों पर लागू होती है। ये बातें बाद की हैं कि शासन भ्रष्ट है, जनता से विमुख है और सार्वजनिक कल्याण की नीतियों का क्रियान्वयन नहीं कर रहा।

पहली विचारणीय बात तो ये है कि जो शासन और शासक अपने शासकीय धन, साधन, संसाधन तथा अन्य शक्तियों द्वारा उग्रवादियों, हिंसक आंदोलनकारियों को रोकने में पूर्णतः असमर्थ है तो फिर उनकी आवश्यकता ही क्या है और जिस देश पर वे शासन कर रहे हैं, उन देशों की भी क्या आवश्यकता है। बांग्लादेश और नेपाल की भांति अराजक हो जाने पर भारत के संदर्भ में भी यही जिज्ञासा उठेगी। जब नेपाल के शासक अपनी सेना के माध्यम से अराजकता नहीं रोक पाते हैं तो फिर नेपाली शासन और नेपाल देश का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है। जब उग्रवादियों व आंदोलनकारियों को विदेशी शक्तियां अपने स्वार्थ के लिए उपयोग कर रही हैं, तो फिर ऐसे उग्रवादियों-आंदोलनकारियों के प्रतिनिधि तख्तापलट के बाद सत्तारूढ़ होने पर नेपाल का प्रतिनिधित्व थोड़े ही कर रहे होंगे। वे तो विदेशी शक्तियों के हाथों की कठपुतली होंगे। उग्र आंदोलन तथा अराजक वातावरण निर्मित करके नेपाल के जिस कम्युनिस्ट शासन को विस्थापित किया गया है वो भी खुद कई वर्षों से चीन की कठपुतली बना रहा है। नेपाल ने जब पहले चीन के अनुसार और अब किसी नई डीप स्टेट शक्ति के अनुरूप चलना है, तो इस संदर्भ में गहन प्रश्न ये है कि ऐसे में नेपाल की आवश्यकता ही क्या है। जिस छुपी हुई शक्ति ने नेपाली युवाओं को भड़काया, उकसाया और अपने ही देश के साधनों-संसाधनों को जलाने-नष्ट करने के लिए दुष्प्रेरित किया है, वही शक्ति सामने आए और बना दे नेपाल को अपना उपनिवेश।

दिखावटी लोकतंत्रात्मक शासन

ऐसी शक्तियां द्विअर्थी तंत्र, सत्ता, शासन का खेल क्यों खेल रही हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर जब इनका विशेषाधिकार व नियंत्रण है, तो फिर ये किससे डरकर अपने तख्तापलट खेल को गुप्त रूप में खेलने को विवश हैं। ऐसी स्थितियों-परिस्थितियों में तथाकथित छोटे-मोटे देशों के निकृष्ट व दिखावटी लोकतंत्रात्मक शासन से श्रेष्ठ तो फिर उत्तर कोरियायी शासन तंत्र है, जो बिना लाग-लपेट के अपनी भूमि, अपने हिस्से के भूभाग पर अपना शासन चलाता है। लोकतंत्र अंगीकार किए हुए देशों की अराजकता देखकर अमेरिका जैसे पेशेवर ठग लोकतंत्र तथा नेपाल जैसे खिलौना लोकतंत्र की तुलना में उत्तर कोरियायी सीधा-सपाट एक अर्थ की बात करने वाला शासन तंत्र ही अधिक शासन संगत प्रतीत होता है।

अब भावी सत्ता के स्वरूप पर निगाहें

व्यवस्था
डॉ. एन. के. सोमानी
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर सरकार के नियंत्रण के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों ने जिस खतरनाक ढंग से सरकार का तख्तापलट किया है उसने शासन व्यवस्थाओं के तौर-तरीकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया से बैन हटाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ जेन-जी ने अलग-अलग समय सत्ता में भागीदार रहे नेताओं के घरों को निशाना बनाया, उससे साफ है कि गुस्से का तात्कालिक कारण सोशल मीडिया पर सरकार के नियंत्रण का फैसला ही नहीं है और भी कई वजह रही हैं। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री और मौजूदा मंत्रियों के आवास और दफ्तरों पर धावा बोलकर जेन-जी ने क्रांति का जो बिगुल फूंका देखते ही देखते वह जिस गति से 'सिंहासन खाली करो जनता आती है' तक पहुंचा, उससे साफ हो गया कि जेन-जी के भीतर किस कदर नेपाली नेताओं और उनकी नीतियों के खिलाफ नफरत भरी हुई थी।

धूं-धूं कर जलती संसद, आग की लपटों से घिरा राष्ट्रपति भवन और सुप्रीम कोर्ट से उठ रहा धुएं का गुब्बार बता रहा है कि नेपाल के युवाओं के भीतर पनपा यह उबाल हफ्ते-दस दिन का नहीं है। साल 2008 में राजा ज्ञानेंद्र के सत्ता से हटने के बाद नेपाल में अढाई सौ साल से चली आ रही राजशाही का तो अंत हो गया परन्तु लोकतंत्र का वह स्वरूप निकल कर नहीं आ सका जिसकी उम्मीद नेपाल के नागरिकों ने की थी। कहने को तो राजतंत्र संघीय गणतंत्र में बदल गया लेकिन शासकों की कार्य शैली में अहं का भाव जस का तस बना रहा। बड़ा दुर्भाग्य यह कि राजशाही खत्म होने के बाद कोई भी सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। देश पूरी तरह से राजनीतिक अस्थिरता के दलदल में धंस गया।

17 सालों में 13 प्रधानमंत्री बदले

पिछले 17 सालों में 13 प्रधानमंत्री बदले। सत्ता प्रचंड, देउबा और ओली के बीच झुलती रही। जेन-जी की नाराजगी का बड़ा कारण भ्रष्टाचार था। किसी भी दक्षिण एशियाई देश के नेताओं की तुलना में नेपाल के नेता अधिक भ्रष्ट हैं। करप्शन इंडेक्स में 180 देशों में नेपाल 107वें स्थान पर है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पास 300 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। भ्रष्टाचार का आलम यह कि लोगों में यह धारणा पुख्ता हो गई कि 'नेपाल भूकंप से तो कभी-कभी, भ्रष्टाचार से हर रोज हिलता है।' पिछले एक सप्ताह से काठमांडु की सड़कों पर करप्शन बैन करो, कनेक्शन नहीं' का नारा गूंज रहा था। संक्षेप में कहें तो नेपाल में करप्शन कल्चर हो गया जबकि सरकार का आरोप है कि कुछ लोग सोशल मीडिया के जरिए कल्चर को करप्ट कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार बना मूल कारण

भ्रष्टाचार के परिणामस्वरूप देश में अमीरी-गरीबी की खाई बढ़ती चली गई। बेरोजगारी 11 फीसदी से ऊपर हो गई। 2024 में 15-24 आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 20.8 प्रतिशत है। कुल मिलाकर कहा जाए तो ओली की भ्रष्ट हुकूमत अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से नहीं कर पाई। इन सबका मिलाजुला असर यह हुआ कि लोगों

के भीतर नाराजगी पनपती रही लेकिन सत्ता के अहं में अंधी ओली सरकार को इसका भान नहीं हुआ। विद्रोह की जो चिंगारी धीरे- धीरे धधक रही थी वो समय पाकर सुलग गई और तमाम संवैधानिक संस्थाओं को अपनी जद में ले लिया। कहने को तो सरकार कह रही है कि डिजिटल अकाउंटेबिलिटि के रेग्यूलेशन बनाने और लागू करने के लिए 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाने के आदेश दिए। सरकार का कहना था कि प्लेटफार्म ने सरकार के नए कानून के मुताबिक रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। दूसरा सरकार का यह भी कहना था कि सोशल मीडिया पर उकासने वाले कंटेंट (फर्जी खबरें और अवैध गतिविधियों) को रोकने के लिए उन्हें नियंत्रित करना जरूरी था। लेकिन सच यह है कि हैशटैग्स नेपोकिड्स और नेपोबेबी के नाम से वायरल वीडियो लगातार नेपाली नेता और उनके परिजनों की लग्जरी जीवन शैली लोगों के सामने ला रहे थे। उससे नागरिकों को भीतर बेचैनी बढ़ रही थी। यही वजह है कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को आधार बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बैन लगाने का फैसला किया। सरकार का यह फैसला केवल तकनीकी नहीं था, यह सीधे तौर पर लोगों की जिन्दगी में दखल था। दरअसल, नेपाल की 3 करोड़ की आबादी में करीब 40 लाख लोग विदेशों में काम करते हैं। विदेशों में रह रहे नेपाली लोगों को अपने परिजनों से संपर्क साधने और रेमिटेंस (प्रवासी आय) का पैसा भेजने के लिए सोशल मीडिया बड़ा माध्यम है। परिणामस्वरूप सरकार के इस फैसले की व्यापक आलोचना हुई। जेन-जी ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया। लोगों का कहना है कि यह प्रतिबंध राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शनों और सरकार विरोधी भावना को दबाने के लिए लगाया गया है। कुछ हद तक यह सही भी है। कहा जा रहा है कि सरकार के इस फैसले का विरोध करने के लिए 'हामी नेपाल' नाम का एनजीओ चलाने वाले सुदान गुरंग ने इंस्टाग्राम पर युवाओं से स्कूल यूनिफॉर्म और स्कूली बैग लेकर सड़कों पर उतरने को कहा। 8 सितबर को नेपाल की संसद के सामने प्रोटेस्ट शुरू हुआ। यहां ओली सरकार ने भी बड़ी चूक कर दी। उसने जेन-जी को समझाने व बातचीत के जरिए किसी नतीजे तक पहुंचने के बजाए आंदोलनकारियों से सख्ती से निबटने और गोली चलाने के आदेश दे दिए। पुलिस की गोलीबारी में 22 लोग मारे गए, जिसमें कई बच्चे भी शामिल हैं। बच्चों पर गोली चलाए जाने की खबर ने आग में घी का काम किया। आंदोलन और ज्यादा हिंसक हो गया जिसकी परिणति पूरी दुनिया ने देखी। हालांकि, अब स्थिति सामान्य हो गई है। सुशीला काकी ने अंतरिम सरकार की मुखिया के रूप में शपथ ले ली है लेकिन जेन-जी ने आंदोलन के नाम पर जो घाव और दाग संवैधानिक संस्थाओं को दिए हैं उनका क्या होगा? नेपाल में जिस तरह से राजनीतिक दलों ने अपनी आवाम का भरोसा खोया है उसे देखते हुए सवाल यह भी उठ रहा है कि अंतरिम सरकार के नेतृत्व में होने वाले चुनाव में यही पार्टियां फिर से लड़ती हुई दिखेंगी या नई और छोटी पार्टियों के नेतृत्व में सरकार बनेगी। निर्दलीय प्रत्याशियों के भी बड़ी संख्या में चुनाव लड़ने की संभावना है।

नेपाल में चाहिए न्यूटल सरकार

ऐसे में नेपाल में बनने वाली भावी सरकार का स्वरूप और उसकी उम्र कितनी होगी, यह प्रश्न विचारणीय है। दूसरा, नई पार्टियां और कम राजनीतिक अनुभव वाले लोगों से मिलकर बनने वाली सरकार देश को राजनीतिक अस्थिरता के दौर से बाहर निकालने के लिए किस रोडमैप पर आगे बढ़ेगी। जहां तक भारत का सवाल है, भारत नेपाल में सीधे-सीधे हस्तक्षेप से बचेगा। लेकिन भारत इतना जरूर चाहेगा कि सरकार के निर्माण में चीन का दखल न हो। नेपाल में जो भी सरकार आए वो न्यूटल हो।

संक्षेप

रूपईडीहा क्षेत्र में चोरों की अफवाह से दहशत, शरारती तत्वों ने चस्पा किया डकैती का पत्र

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौशर

रूपईडीहा, बहराइच।सीमावर्ती थाना क्षेत्र रूपईडीहा में इन दिनों चोरों की अफवाहों का बाजार गर्म है। प्रतिदिन गांवों में स्थानीय लोग भीड़ इकट्ठा कर जागते रहो की सदा लगाते हुए रातभर पहरा देते हैं। अक्सर गांवों में हो-हल्ला मचता है कि चोर आ गया, लेकिन अब तक किसी भी चोरी की घटना का पुख्ता सबूत सामने नहीं आया है। इस स्थिति का फायदा उठाकर कुछ अराजक तत्व लोगों में दहशत फैलाने का काम कर रहे हैं। ताजा मामला ग्रामसभा महानंदपूर्वा का है, जहां अज्ञात शरारती तत्वों ने एक बिजली के खंभे पर पत्र चस्पा कर दिया। उसमें लिखा था कि 16 सितंबर को हम इस ग्राम में डकैती डालेंगे, जिसको रोकना हो रोक कर दिखाए।ऐसे पत्र चस्पा करने से साफ प्रतीत होता है कि अफवाहों को और बढ़ाने के उद्देश्य से ही इस तरह की हरकतें की जा रही हैं। इन अफवाहों से ग्रामीणों में भय का माहौल है। कई बार ऐसा हुआ है कि रात में निकलने वाले अनजान लोगों को ग्रामीणों ने चोर समझकर पकड़ लिया और पिटाई कर दी। बाद में जांच में पता चला कि पकड़े गए लोग मजदूर या नेपाली नागरिक थे, जिनका चोरी से कोई संबंध नहीं था। इस संबंध में थाना प्रभारी रूपईडीहा रमेश सिंह रावत ने बताया कि, पिछले एक महीने से चोरों की अफवाहें फैल रही हैं, जबकि कहीं भी चोरी की कोई घटना घटित नहीं हुई है। लगता है कि कुछ शरारती तत्व जानबूझकर ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं। पुलिस पूरी तरह सतर्क है। गांवों में गश्त बढ़ा दी गई है और हर स्थिति से निपटने के लिए रूपईडीहा पुलिस पूरी तरह सक्षम और मुस्तैद है।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से झूली महिला, हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से फंदा डाल महिला ने दी जान, ग्रामीणों में मचा हड़कंप तो परिजनों में कोहराम। सूचना पर पहुंची खैरीघाट पुलिस ने आवश्यक जांच पड़ताल कर संवैधानिक कार्यवाही पूर्ण की है। खबर है कि जिले के खैरीघाट थाना अंतर्गत बरुही गांव के बाहर मंगलवार सुबह करीब 7 बजे गांव के बाहर भिलोर के पेड़ पर महिला का शव लटका स्थानीय लोगों ने देखा। सूचना गांव के लोगों को मिली जिससे हड़कंप का माहौल हो गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने गांव निवासी सुनीता पत्नी रमेश के रूप में मृतक महिला के शव की पहचान की।वहीं सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष रशीद अली खान ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

बहराइच में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का विशाल धरना प्रदर्शन

प्रधानमंत्री को संबोधित जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

- उत्तर प्रदेशीय प्राशिसं ने की सेवारत शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखने की मांग
- कलेक्ट्रेट परिसर में हजारों की संख्या में एकत्र हुए शिक्षक

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आव्हान पर धरना स्थल कलेक्ट्रेट परिसर बहराइच में हजारों की संख्या में शिक्षक एकत्रित हुए और सेवारत शिक्षकों पर जबरन टीईटी परीक्षा थोपे जाने के विरोध में प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि सिटी मजिस्ट्रेट राजेश चौरसिया को दिया गया। प्रतिकूल मौसम होने के बावजूद ज्ञापन कार्यक्रम में अपनी मांग के समर्थन में जिले के सभी विकास खण्ड से भारी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।जिससे ज्ञापन कार्यक्रम एक बड़े धरने के रूप में परिवर्तित हो गया।प्रदर्शन एवं ज्ञापन कार्यक्रम का संचालन करते हुए जिलामंत्री विजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के टेट संबंधी निर्णय से आज पूरे प्रदेश में लाखों शिक्षकों की सेवा समाप्त होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। जनपद बहराइच में भी हजारों शिक्षक इस आदेश से प्रभावित हो रहे है।जिससे शिक्षक परेशान है। कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष आनंद कुमार पाठक ने संबोधित करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से 2011 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टेट उत्तीर्ण नहीं होने पर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति से शिक्षकों में निराशा है।जब नियुक्ति के समय शिक्षक सारी योग्यता पूरी करके सेवा में आया तो आज 25-30 वर्ष सेवा पूर्ण करने के बाद यह नियम लागू करना शिक्षकों के साथ अन्याय है।संगठन सरकार और कोर्ट दोनों जगह इस संबंध में अपना मजबूत पक्ष रखेगा। उन्होंने कहा कि जरुरत पड़ी तो प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर लखनऊ तथा दिल्ली में इस आदेश को वापस लेने अथवा संशोधन करके 2011 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टेट से मुक्त करने की मांग के समर्थन में विशाल धरना एवं प्रदर्शन किया जाएगा। धरने को इसके अतिरिक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेश कुमार तिवारी, जिला उपाध्यक्ष आसिफ अली, जिला कोषाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त मंत्री मोहम्मद अदीब सहित सभी ब्लॉक अध्यक्षो ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से तहसील प्रभारी कैसरगंज मनीष मौर्य, जरवल कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार सरोज, कैसरगंज मंत्री महेंद्र पाल सिंह, अध्यक्ष कृपा शंकर दुबे, फखरपुर अध्यक्ष सुखदराज सिंह, विशेश्वरगंज अध्यक्ष उमाकांत तिवारी, जनपदीय संगठन मंत्री प्रदीप कुमार पांडेय, तेजवापुर अध्यक्ष भुवनेश्वर पाठक, महसी तहसील प्रभारी ज्ञान प्रकाश पांडेय, जनपदीय उपमंत्री व महसी के संयुक्त मंत्री अभिषेक दीक्षित, शिवपुर अध्यक्ष मोहम्मद जुबैर, मिहीपुरवा अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता, चित्तौरा अध्यक्ष बृजेश सलिल, नवाबगंज शैलेन्द्र वर्मा, मंत्री सुग्रीव वर्मा सहित संरक्षक विश्वनाथ पाठक आदि सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

दसवें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में लगा निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। डॉ सर्वेश कुमार शुक्ला आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल सबलापुर बहराइच के सौजन्य से मंगलवार को महसी के सिकंदरपुर में निश्शुल्क आयुर्वेदिक शिविर का आयोजन दूर - दराज के लोगों के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से समाज को जागरूक करने एवं प्रचार - प्रसार के लिए दसवें आयुर्वेदिक दिवस के उपलक्ष्य में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे कुल 294 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करके निःशुल्क औषध का वितरण किया गया।इसके साथ आए हुए मरीजों को स्वास्थ्य रहने हेतु योग एवं आहार विहार के बारे में सुशिक्षित किया गया। योग प्रशिक्षक द्वारा योग के आसन-प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। शिविर कार्यक्रम के क्षेत्रीय संयोजक जगदंबा प्रसाद शुक्ला द्वारा कैम्प का उचित प्रचार प्रसार किया गया। उक्त शिविर में कॉलेज के आयुर्वेद प्राचार्य डॉ आनंद चौरसिया, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ शैलेन्द्र श्रीवास्तव, डॉ पवन वर्मा, डॉ देवेश तिवारी, डॉ मुकेश महिच, डॉ उमेश मिश्रा, डॉ प्रियका शर्मा, डॉ मंजू यादव , डॉ संदीप कुमार वर्मा, डॉ मनीष शुक्ला, फार्मासिस्ट राबिया खातून, गुरु प्रसाद शुक्ला, शिविर सहायक धर्मेंद्र शुक्ला, महेंद्र शुक्ला , सौरभ शुक्ला, अरुण यादव, संजय गौतम एवं बीएएमएस प्रथम वर्ष के छात्र - छात्रा उपस्थित रहे। संस्थान अध्यक्ष डॉ सर्वेश कुमार शुक्ला, निदेशक पल्लवी शुक्ला एवं प्रबंधक आस्था शुक्ला ने इस शिविर के आयोजन में पूर्ण रुचि सहित सहयोग दिया। अच्युतानंद सूरज लाल इंटर कॉलेज के प्रबंधक करुणाकर शुक्ला , प्रधानाचार्य अखिलेश शुक्ला एवं कॉलेज के समस्त स्टाफ का उक्त आयोजन में भरपूर सहयोग रहा।

मुख्यमंत्री ने टेट अनिवार्यता पर अध्यापकों के पक्ष में लिया बड़ा फैसला, दाखिल करेंगे रिवीजन

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। एक सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने टेट अनिवार्यता को लेकर दिए फैसले ने उत्तर प्रदेश के लगभग दो लाख बेसिक अध्यापकों की चिंता बढ़ा दी है। इस बावत उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत अध्यापकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का रिवीजन दाखिल करने का विभाग को निर्देश दिया है और कहा है कि प्रदेश के शिक्षक अनुभवी है। समय-समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है।ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षो कों नजर अंदाज करना उचित नहीं है। इसी सिलसिले में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वरिष्ठ उपाध्यक्ष व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश संगठन प्रभारी महेंद्र कुमार ने राज्यपाल आंनदीबेन पटेल से वार्ता कर टेट अर्हता की अनिवार्यता समाप्त किये जाने के विषय में वार्ता की थी और संगठन द्वारा विगत 15 सितम्बर कों देशभर के जिला मुख्यालय पर प्रधानमंत्री कों सम्बोधित ज्ञापन कार्यक्रम के माध्यम से टेट अर्हता के प्रकरण के समाधान हेतु आयोजित किया था।प्रदेश अध्यक्ष शिवशंकर सिंह ने सीएम ऑफिस के ट्विटर हैंडल पर शिक्षकों के प्रति संवेदनशीलता कों देखते हुए संगठन की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित किया है। इस बावत राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बहराइच जिलाध्यक्ष आनन्द मोहन मिश्र ने जानकारी देते हुए कहा है कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ज्ञापन /प्रदर्शन तथा वार्ता दोनों के द्वारा इस टेट अहर्ता अनिवार्यता के प्रकरण को समाधान करवाने का प्रयास कर रहा है।इसी क्रम में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बहराइच महामंत्री उमेशचंद त्रिपाठी, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष पंकज वर्मा, कोषाध्यक्ष सगीर अंसारी ने लोकप्रिय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ को हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया है।

जिला प्रशासन के सहयोग से दुर्गा पूजा महोत्सव होगा सम्पन्नः सुदामा मिश्रा

- दुर्गा प्रतिमा स्थापना, रास्ते, सड़क व विधुत की हो समस्या महासमिति को कराएं अवगत
- दुर्गा पूजा महासमिति के पदाधिकारियों की बैठक हुई आयोजित

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव को धूमधाम से मनाने,प्रतिमा स्थापना एवं भव्य पूजन, अर्चन के लिए श्री मां दुर्गा हिन्दू पूजन महासमिति के पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक महासमिति के अध्यक्ष सुदामा मिश्रा के काजीकटरा स्थित आवास पर सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर ध्यान आकर्षण किया गया। महासमिति के महामंत्री कन्हैया सोनी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 22 सितम्बर से दुर्गा पूजा महोत्सव धूमधाम एवं हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया जायेगा। उन्होंने दुर्गा पूजा उप समितियो से अपील की कि दुर्गा पूजा प्रतिमा स्थापना को लेकर किसी तरह की समस्या आ रही है 19 सितम्बर तक महासमिति के पदाधिकारियों को अवगत करवा दे।महासमिति के अध्यक्ष सुदामा मिश्रा ने कहा कि पूरे जनपद में दुर्गा पूजा का पर्व बड़े ही श्रद्धा,उल्लास व भक्तिमय माहौल में मनाया जाएगा।उन्होंने दुर्गा पूजा उप समितियों से आग्रह किया कि दुर्गा प्रतिमा स्थापना, स्थान,रास्ता, सड़क या विधुत से सम्बंधित कोई समस्या आ रही है तो तत्काल महासमिति के पदाधिकारियों को अवगत करवाये जिससे समस्या समाधान किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से दुर्गा पूजा महोत्सव उल्लासपूर्ण वातावरण में सकुशल सम्पन्न करवाया जाएगा। महासमिति के पदाधिकारी दुर्गा पूजा महोत्सव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए तैयारी में लगे हुए है। बैठक में विनोद कुमार रस्तोगी एडवोकेट, सुधाकर प्रसाद मिश्रा एडवोकेट, शिवशरण सिंह, मीडिया प्रभारी सचिन श्रीवास्तव, रामजी शुक्ला, लव कुमार द्विवेदी, बैजनाथ रस्तोगी, राजकुमार सोनी, हरि शंकर गुप्ता, पवन जायसवाल, आत्माराम यादव, सत्येंद्र शुक्ला, विमल मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अफवाहों पर ध्यान न दें, संदिग्ध व्यक्ति दिखने पर पुलिस को करें सूचितः दीपक सिंह

महानन्द पुरवा में चोरी करने के सम्बन्ध में शरारती तत्वों ने लगाया पर्चा

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। अस्सी - नब्बे के दशक की पुरानी फिल्मो के डाकू सभी कों याद होंगे, जो अक्सर जमीनदारों के यहाँ चोरी करने के सम्बन्ध में पर्चा लगाकर घटना घटित करते थे। लगभग वैसे ही एक बार फिर से रूपईडीहा थाना क्षेत्र के महानन्द पुरवा में लौटता दिखाई दिया है।मिली सूचना के मुताबिक महानन्द पुरवा गांव स्थिति विद्युत पोल में 16 सितम्बर को गांव में डाका पड़ेगा बचा सको तो अपना गांव बचा लो। जितना पहरेदारी करोगे उतना ही लूटा जायेगा (दो व्यक्तियों के हस्ताक्षर सहित)लिखा पर्चा ग्रामीणों ने देखा।जो धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र में जंगल की आग की तरह फैल गई।स्थिति ऐसी हों बन गई है कि ग्रामीण रात में जरुरी काम के लिए दूसरे गांव जाने से बच रहे है। कई ग्रामीणों का मानना है कि इसमें शरारती तत्वों का हाथ हों सकता है। सूचना पाकर बाबागंज चौकी इंचार्ज दीपक सिंह ने मौके पर पहुंचकर मामले की हर दिशा में जांच कर रही है। साथ ही ग्रामीणों से अपील किया कि वें अफवाहों पर ध्यान न दें। बाहरी व संदिग्ध व्यक्ति दिखने पर मारपीट के बजाय तत्काल डायल 112 व स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

रामलीला समिति का विवाद

एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर से दो समितियां सक्रिय, करणी सेना ने की जांच की मांग

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, जिला मुख्यालय गौरीगंज में रामलीला समिति को लेकर विवाद सामने आया है। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना ने एक समिति पर फर्जी रजिस्ट्रेशन के आधार पर कार्यक्रम संचालन का आरोप लगाया है। गौरीगंज की श्री रामलीला समिति दशहरा और भरत मिलाप के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

पिछले साल विवादों के कारण कार्यक्रम नहीं हो पाए थे। इस वर्ष समिति ने कार्यक्रम संचालन के लिए प्रशासन को पत्र सौंपा है। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि रजिस्ट्रेशन नंबर 1027 से एक श्रीराम लीला समिति पंजीकृत है। उन्होंने आरोप लगाया कि यही रजिस्ट्रेशन नंबर दूसरी रामलीला समिति का भी है, जो नियम विरुद्ध है। करणी सेना ने अमेठी प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनकी मांग है कि दोनों समितियों की जांच कर वैध समिति को कार्यक्रम संचालन की अनुमति दी जाए और अवैध समिति पर कार्रवाई की जाए।

वन्य जीव सक्रियता वाले क्षेत्रों में गश्त कर रही हैं टीमें

विशेषज्ञों के साथ साथ कैमरों से ली जा रही है मदद

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। वन प्रभाग, बहराइच के कैसरगंज रेंज अन्तर्गत तहसील कैसरगंज एवं महसी के ग्रामों में अज्ञात वन्य जीव द्वारा किये गये हमले के दृष्टिगत नियंत्रण/शमन की कार्यवाही के दृष्टिगत हिंसक वन्य जीव के सक्रियता/प्रभावित क्षेत्रों को 04 सेक्टरों में विभाजित कर अधिकारियों द्वारा दिवारात्रि में गश्त कर प्रभावित क्षेत्र को निगरानी में रखा गया तथा क्षेत्र में तैनात समस्त टीमों द्वारा सेक्टर प्रभारियों की देख-रेख रणनीति के तहत रेस्क्यू कार्यवाही का संचालन किया जा रहा है। डीएफओ श्री यादव ने बताया कि वन विभाग द्वारा 15/16 सितम्बर को तहसील कैसरगंज व महसी के अज्ञात वन्य जीव आतंक प्रभावित क्षेत्र के सभी 04 सेक्टरों में वन्य जीव को खोजने/रेस्क्यू के उद्देश्य से सेक्टर प्रभारियों की अगुवाई में विशेषज्ञ टीम द्वारा दो थर्मल ड्रोन एवं एक अन्य ड्रोन कैमरे तथा गश्ती दलों द्वारा वन्य जीव को खोजने की कार्यवाही की गयी। गश्ती दलों द्वारा संवेदनशील स्थलों पर कैमरा ट्रैपस को स्थापित कर उपद्रवी वन्य जीव के आवागमन को खोजने की कार्यवाही की गयी।डीएफओ ने बताया कि वन्य जीव के हमले से प्रभावित ग्रामों में सोलर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किये गये हैं। ताकि वन्य जीव की पहचान सुनिश्चित करते हुए उसे सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके। इसके अलावा वन्य जीव संभावित स्थानों पर 03 ट्रैपिंग केज लगाये गये हैं ताकि अज्ञात वन्य जीव को सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके। गश्ती टीमों द्वारा पैदल चलकर सक्रिय वन्य जीव को चिन्हित किये जाने एवं पगमार्क खोजने की भी कार्यवाही की जा रही है। श्री यादव ने बताया कि जन जागरूता टीमों द्वारा स्थानीय ग्रामीणजनों को हिंसक वन्य जीवों से बचाव हेतु लगातार जागरूक किया जा रहा है तथा प्रभावित क्षेत्र के ग्रामवासियों को रात्रि में अपने घरों के अन्दर दरवाजा बन्द करके स्वयं एवं बच्चों को सुरक्षित सुलाने हेतु आग्रह किया जा रहा है। डीएफओ ने बताया कि गश्ती टीमों द्वारा वन्य जीव के हमलों से प्रभावित ग्राम के बाहरी क्षेत्रों में पटाखों को दगाकर वन्य जीव को आबादी से दूर रखने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रभाग स्तर पर कमांड सेंटर स्थापित किया गया है जो वन्य जीव सक्रियता क्षेत्रों में तैनात टीमों से सूचनाएं प्राप्त कर अधिकारियों को अवगत करा रही हैं। वन विभाग, पुलिस विभाग एवं जिला प्रशासन के बीच आपसी समन्वय स्थापित करते हुए हिंसक जीव के हमले से प्रभावित क्षेत्र में दिवारात्रि गश्त की जा रही है जिससे कोई भी अप्रिय घटना घटित नहीं होने पायी है।

डाक्टर को बीमारी के बारे में खुलकर बताएं, सही इलाज पाएं

मुकेश शर्मा विश्व रोगी सुरक्षा दिवस (17 सितम्बर) पर विशेष

हर शिशु और हर बच्चे के लिए सुरक्षित देखभाल थीम पर मनाया जाएगा दिवस

अमन लेखनी समाचार

रोगियों की बेहतर देखभाल और उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया कराने के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 17 सितम्बर को विश्व रोगी सुरक्षा दिवस मनाया जाता है।इसका मकसद रोगियों, चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को जागरूक करना है कि एक-दूसरे की सुरक्षा के प्रति उनको किन प्रमुख बिन्दुओं का खास ख्याल रखना है। रोगी यदि चिकित्सक के पास जा रहा है तो उसके पास उन बिन्दुओं की सूची अवश्य होनी चाहिए जिससे वह पीड़ित है, जरूरी जांच की रिपोर्ट या पुरानी कोई बीमारी है तो उसके इलाज के पर्चे जरूर होने चाहिए। मरीज जब खुलकर और सच्चाई के साथ अपनी समस्या बताएगा तभी उसका सटीक और बेहतर इलाज संभव हो पाएगा।

इस साल विश्व रोगी सुरक्षा दिवस की थीम ह्लहर शिशु और हर बच्चे के लिए सुरक्षित देखभालह्व तय की गयी है। इसका उद्देश्य जन्म के साथ ही नवजात को जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के साथ ही सुरक्षित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी है। हर बच्चे के जन्म के पहले हजार दिन यानि नौ माह (270 दिन) गर्भ के और जन्म के पहले दो साल (730 दिन) स्वस्थ जीवन के आधार होते हैं। इन हजार दिनों में बच्चे के खानपान, टीकाकरण और स्वच्छता आदि का पूरा ख्याल रखा जाए तो आगे चलकर शरीर बीमारियों से लड़ने में पूरी तरह सक्षम बन जाता है। आज के इस दिवस पर समुदाय स्तर पर इन जरूरी संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हर किसी की बनती है।

विश्व रोगी सुरक्षा दिवस पर इस पर भी ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत है कि किस तरह एक गर्भवती की देखभाल की जाए ताकि उसके सुरक्षित प्रसव का मार्ग सुनिश्चित किया जा सके। महिला जागरूक बने और खुद तय करे कि उसे कब और कितने बच्चे चाहिए। इसके अलावा मरीजों की देखभाल करने वालों को जागरूक बनाने के साथ उनका सशक्तिकरण भी जरूरी है ताकि वह चिकित्सक के बताए अनुसार समय से दवाएं और रोगी के खानपान का ख्याल रख सकें। इसके अलावा संक्रमण से बचने के जरूरी प्रोटोकाल को अवश्य अपनाएं। चिकित्सक को मरीज और उसके देखभाल करने वाले को पहले से यह अवगत करा देना चाहिए कि दवाओं के सेवन से क्या शारीरिक बदलाव आ सकते हैं, इसलिए उससे घबराने की जरूरत नहीं है। यदि मरीज पर किसी तरह की दवा का दुष्प्रभाव नजर आता है तो चिकित्सक को तत्काल उसकी मदद को आगे आना चाहिए।

विश्व रोगी सुरक्षा दिवस के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर से गांधी जयंती (दो अक्टूबर) तक विशेष सेवा पखवाड़ा भी देश में शुरू किया जा रहा है। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग ह्लस्वस्थ नारी-सशक्त परिवारह्व अभियान चलाएगा। यह अभियान पूरी तरह से महिला स्वास्थ्य पर केन्द्रित होगा। इस दौरान स्वास्थ्य इकाइयों पर आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेलों में आने वाले बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण को भी अभियान का अहम हिस्सा बनाकर स्वास्थ्य मेलों में महिलाओं और बच्चों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। स्वास्थ्य मेलों में सभी सामुदायिक चिकित्सालयों पर स्त्री रोग, नेत्र रोग ई.एन.टी., चर्म रोग, मानसिक स्वास्थ्य तथा अन्य विशेषज्ञों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रोगों का निःशुल्क परीक्षण एवं उपचार किया जाएगा। स्वास्थ्य शिविरों पर आयुष विभाग के स्टाल के माध्यम से स्वस्थ्य रहने के लिए लोगों को स्वस्थ दिनचर्या, सही आहार, योग और व्यायाम अपनाने के बारे में प्रेरित किया जाएगा। विशेष सेवा पखवाड़ा के दौरान रक्तदान शिविरों का भी आयोजन किया जाएगा ताकि रक्त कोष में आपात स्थितियों में जरूरतमंदों के लिए पर्याप्त रक्त का भंडार सुनिश्चित किया जा सके। इन शिविरों के आयोजन में विभिन्न विभागों का सहयोग भी लिया जाएगा ताकि सेवा पखवाड़े का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिल सके। इस दौरान स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। बारिश के बाद संक्रामक खासकर मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ने का अंदेशा रहता है इसलिए सफाई का खास ख्याल रखना जरूरी है।

लेखकः मुकेश शर्मा

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जेक्युटिव डायरेक्टर हैं)

एनसीईआरटी में गूंजेगा शिक्षक सुनील का तराना

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान,राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) नई दिल्ली में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत 25 व 26 सितंबर को 'डिजिटल शिक्षा में हिंदी भाषा एवं साहित्य विषय पर आयोजित होने वाले दो दिवसीय कार्यशाला व शिक्षक कवि-सम्मेलन में विकास क्षेत्र मिहींपुरवा के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अड़गोड़वा में कार्यरत शिक्षक सुनील कुमार बहराइच जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। गौरतलब है युवा साहित्यकार शिक्षक सुनील कुमार के अब तक 4 एकल तथा 45 साझा काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। उनकी कई रचनाएं दूरदर्शन व आकाशवाणी केन्द्र से भी प्रसारित हो चुकी हैं। केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्यागिकी संस्थान नई दिल्ली के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजेन्द्र पाल ने सुनील कुमार को इस कार्यशाला व कवि सम्मेलन में प्रतिभागिता हेतु पत्र भेजा है। सुनील कुमार की इस उपलब्धि पर खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. अजीत कुमार सिंह, एआरपी प्रदीप नारायण सिंह, संकुल शिक्षक अखिलेश कुमार, गिरीश राम, मोइनुद्दीन खां, विनोद कुमार, श्रवण सिंह, शिक्षक सुनील चौधरी, अंशुल सिंह, अमित रघुवंशी, जतिन रस्तोगी, पवन शर्मा व विजयपाल सहित हित मित्रों ने बधाई दी है।

संक्षेप

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

दो के पैर में लगी गोली, चार फरार; नगदी और जेवरात बरामद

मेरठ , भावनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने हत्या और लूट के मामले में बड़ी कामयाबी हासिल की है। 7 सितंबर 2025 को स्याल गांव में हुई हत्या और लूट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा के अनुसार, बदमाशों ने तेजपाल वर्मा के घर में घुसकर उन्हें बांधा और मारपीट की। फिर घर से नगदी और जेवरात लूट लिए। गंभीर रूप से घायल तेजपाल की घनवंतरी अस्पताल में मौत हो गई। 14 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी छोईया पुलिया स्याल रोड पर लूट के माल का बंटवारा कर रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी की। आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। मुठभेड़ में साहिल पुत्र नफीस और अलीशान पुत्र नजीमुल्ला को गोली लगी। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। साहिल स्याल गांव का रहने वाला है, जबकि अलीशान लिसाड़ी गेट मेरठ का निवासी है। चार अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों से लूट का माल बरामद किया है।

बुलंदशहर में राष्ट्रीय लोक अदालत

एक लाख से ज्यादा मामलों का निपटारा, 7 करोड़ से अधिक का मुआवजा दिया

बुलंदशहर, आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में 1,06,550 मामलों का निपटारा किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के मामलों का समाधान किया गया। लोक अदालत में 7,863 आपराधिक मामलों में 8,41,742 रुपए का अर्थदंड वसूला गया। मोटर दुर्घटना के 69 मामलों में पीड़ितों को 7 करोड़ 18 लाख 38 हजार रुपए का मुआवजा दिलाया गया। वैवाहिक विवाद के 123 मामले, एनआई एक्ट के 138 मामले और 51 सिविल मामलों का निपटारा किया गया। बिजली विभाग के 1,005 मामलों में 3 लाख 2 हजार रुपए की वसूली की गई। लोन से जुड़े 650 मामलों में 44 करोड़ 49 लाख की बकाया राशि के विरुद्ध 18 करोड़ 45 लाख का समझौता हुआ। इनमें से 5 करोड़ 27,878 रुपए मौके पर ही जमा कराए गए। इसके अलावा 97,245 प्री-लिटिगेशन मामलों का भी निपटारा किया गया। जिला न्यायाधीश मनजीत सिंह चौहान ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी अधिकारियों, बीमा कंपनी और बैंक के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

प्राचीन राधाकृष्ण शिव मंदिर में चोरी

10 हजार नकद समेत पूजा सामग्री गायब, ग्रामीणों में नाराजगी

मोदीनगर, निवाड़ी थाना क्षेत्र के गांव पूठरी में स्थित प्राचीन श्री राधाकृष्ण शिव मंदिर में चोरी की वारदात सामने आई है। मंदिर के पुजारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि चोरी दो दिन पहले रात को हुई। चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। उन्होंने दस हजार रुपए की नकदी के साथ शंख, चिमटा, कपड़े और घंटा समेत कई सामान चुरा लिए।

सिविल लाइंस में युवती से छेड़खानी

भीड़ ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा, कई दिनों से युवक कर रहा था पीछा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, सिविल लाइंस इलाके में एक युवती के साथ ऑफिस के बाहर छेड़खानी की घटना सामने आई। पीड़िता निजी इंश्योरेंस कंपनी में काम करती हैं और रोज की तरह अपने ऑफिस पहुंची थीं। इसी दौरान मोहल्ले खुल्दाबाद का रहने वाला एक अधेड़ वहां पहुंचा और युवती को परेशान करना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, आरोपी पिछले दो महीने से सोशल मीडिया के माध्यम से युवती को लगातार फॉलो कर रहा था। वह उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए था और मौका मिलते ही उसके पास जाकर छेड़खानी करने लगा। जब युवती ने विरोध किया और शोर मचाया, तो आसपास मौजूद लोग और ऑफिस के सहकर्मी तुरंत मदद के लिए आए। लोगों ने मिलकर आरोपी को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की। इसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया सूचना मिलने के बाद सिविल लाइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। युवती की ओर से लिखित तहरीर मिलने के बाद पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने युवती को सोशल मीडिया के जरिए किस प्रकार परेशान किया, और कहीं कोई आपत्तिजनक संदेश या फोटो तो नहीं भेजे। लंबे समय से युवती को कर रहा था परेशान स्थानीय लोगों ने बताया कि आरोपी लंबे समय से युवती को परेशान कर रहा था और मौका तलाश रहा था। लोगों का कहना है कि इस तरह की हरकतों पर तुरंत कार्रवाई होना बहुत जरूरी है ताकि किसी और को डर और परेशानी न हो। फिलहाल इलाके में लोगों में डर और सहानुभूति दोनों का मिश्रित माहौल है।

फिर से सक्रिय हुआ एंटी रोमियो स्क्वॉड यह घटना ऐसे समय पर हुई जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश में एंटी रोमियो स्क्वॉड को फिर से सक्रिय किया गया है। प्रदेशभर में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए 1 सितंबर से 30 सितंबर तक मिशन शक्ति अभियान के तहत ऑपरेशन चंडी चलाया जा रहा है। इसके बावजूद राजधानी समेत बड़े शहरों में इस तरह की घटनाएं सुरक्षा के सवाल खड़े करती हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य यह है कि इस तरह की हरकत करने वालों में भय पैदा हो और शहर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर विश्वास कायम रहे।

सड़क पर उतरे सैकड़ों शिक्षक

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में धरना, बोले-हमे न्याय चाहिए, ये कैसे नियम

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। टीईटी अनिवार्यता को लेकर दिए गए निर्णय के विरोध में शिक्षक हजारों की संख्या में जिला अधिकारी कार्यालय का घेराव किया। यह कार्यक्रम प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर पूरे प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर एक साथ आयोजित किया गया।

जिला परिषद कार्यालय परिसर में एकत्र होने लगे थे। सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने-अपने ब्लॉक के बैनरों के साथ पहुंचे और परिसर को पूरी तरह भर दिया। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार के निर्णय के विरोध में नारेबाजी की और सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उत्पन्न भ्रम की स्थिति को लेकर नाराजगी जताई। प्रदर्शन का नेतृत्व संघ के जिलाध्यक्ष देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने कहा कि 31 सितंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा टीईटी को शिक्षक नियुक्ति के लिए अनिवार्य ठहराए जाने के बाद से शिक्षकों के भविष्य को लेकर गंभीर अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने बताया कि कई शिक्षक मानसिक तनाव का शिकार हो गए हैं, और कुछ ने आत्महत्या जैसा दुखद कदम भी उठाया है। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक नियुक्ति के समय निर्धारित योग्यताओं को पूरा करते हैं। ऐसे में, जब वे वर्षों से शिक्षा के साथ-साथ निर्वाचन, जनगणना और आपातकालीन कार्यों में सरकार का सहयोग करते आ रहे हैं, तो अब उनके सामने टीईटी अनिवार्यता थोपना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है।

ऑक्सीजन सिलेंडर की दुकान से चोरी

तीन चोरों ने डेढ़ घंटे में 7 लाख रुपये चुराए, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, दिल्ली रोड स्थित अमर श्री कॉम्प्लेक्स में एक ऑक्सीजन सिलेंडर की दुकान से चोरी की वारदात सामने आई है। रामा एसोसिएट के मालिक गोपाल सिंघल के बेटे मयंक सिंघल दिनभर की कमाई करीब 7 लाख रुपये काउंटर में बने लॉकर में रखकर घर चले गए थे। देर रात आसपास के लोगों ने दुकान के शटर का टूटा ताला देखा और मालिक को सूचित किया। जब कारोबारी ने दुकान की जांच की तो काउंटर का लॉकर टूटा मिला और नकदी गायब थी। चोरों ने दुकान का कोई अन्य सामान नहीं छुआ। ब्रह्मपुरी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की जांच की। फुटेज में तीन संदिग्ध युवक दुकान में घुसते और डेढ़ घंटे बाद बाहर निकलते दिखाई दिए। पुलिस अब इन संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। क्षेत्र के व्यापारी लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से नाराज हैं। इंस्पेक्टर रमाकांत पचौरी ने बताया कि चोरों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

परदादा परदादी रनाथन का आयोजन

- 5000 लोगों ने भाग लिया, ग्रामीण बालिकाओं की शिक्षा पर फोकस

अमन लेखनी समाचार

अनूपशहर, परदादा परदादी रनाथन का आयोजन किया गया। इस दौड़ में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, युवा और स्थानीय लोगों सहित 5000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अंजू सैनी और रनिंग ताऊ मदन गोदारा ने किया। पीपीईएस के अध्यक्ष लोकेंद्र पाल सिंह और ब्लॉक प्रमुख अतुल कुमार चौधरी भी मौजूद रहे। रनाथन में 10 किमी और 5 किमी की दौड़ श्रेणियां शामिल थीं। कार्यक्रम की शुरूआत जुम्बा वार्म-अप से हुई। परदादा परदादी एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा आयोजित इस रनाथन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण बालिकाओं को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना था। संस्था वर्तमान में लगभग 4000 गरीब कन्याओं को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रही है। स्वर्गीय वीरेंद्र सैम द्वारा स्थापित यह संस्था ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यरत है। मुख्य अतिथियों ने कार्यक्रम को लड़कियों की शिक्षा और वित्तीय साक्षरता के लिए महत्वपूर्ण बताया।

संस्था की सीईओ सपना वर्मा और सचिव इंदु सिंह ने मैराथन को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक बताया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में जेपी अस्पताल, एलआईसी, डीएस ग्रुप (कैच फूड्स), ब्लैकबेरी, इंडिपेंडेंट वाटर, एसबीआई क्रेडिट कार्ड डिवीजन, रिलायंस कांसुमेर प्रोडक्ट ने सहयोग किया। इस दौरान पवन कुमार सिंह, पंकज सिंह, गरिमा सिंह साजन जोश, के के शर्मा, कमरूद्दीन, लोकेश मौजपुर, कृष्ण सिंह, मिंटू सिंह, सतेंदर सिंह, जगपाल सिंह, ललित शर्मा, तरुण नेहरा, कोच रविंदर उनकी टीम ने पुरे दौड़ का आयोजन किया।

गैस पाइप लाइन विवाद

16 साल से किराया न मिलने पर किसानों ने किया विरोध, एसडीएम ने दिया समाधान का आश्वासन

अमन लेखनी समाचार

बागपत, मवीकला गांव में गेल कंपनी की गैस पाइपलाइन मरम्मत को लेकर किसानों और कंपनी कर्मचारियों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। यह पाइपलाइन 16 अगस्त को यमुना नदी में फट गई थी। तेज धमाके से गांव में अफरा-तफरी मच गई थी। किसान नेता विनोद चौधरी के अनुसार, 2008 में पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि अधिग्रहण किया गया था। कंपनी ने 10 वर्षों में जमीन का पूरा मुआवजा देने का वादा किया था। लेकिन 16 वर्ष बीत जाने के बाद भी किसानों को उनकी जमीन का किराया नहीं मिला है। किसानों का आरोप है कि कंपनी पाइपलाइन के रखरखाव में लापरवाही बरत रही है। इससे उनकी सुरक्षा को खतरा है। हाल ही में पाइपलाइन फटने से गांव बाल-बाल बचा था। मौके पर एसडीएम निकैत वर्मा पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने किसानों और कंपनी कर्मचारियों से बातचीत की। एसडीएम ने सोमवार तक इस विवाद के समाधान का आश्वासन दिया है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

लाइब्रेरियन का नाले में मिला शव

- 7 दिन से लापता थे; जेब में मिले एटीएम कार्ड से हुई पहचान

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, मेडिकल थाना क्षेत्र के कालियागढ़ी निवासी लोकेश पाल (50) का शव गंगानगर थाना क्षेत्र में बीएनजी स्कूल के पास नाले से मिला। लोकेश गढ़मुक्तेश्वर स्थित चौधरी महेंद्र सिंह डिग्री कॉलेज में लाइब्रेरियन थे। लोकेश शाम 4 बजे घर से निकले थे।

वह वापस नहीं लौटे तो परिवार ने मेडिकल थाना में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस को नाले में शव मिलने की सूचना मिली। परिजनों ने जेब से मिले एटीएम कार्ड से शव की पहचान की। पिता बोले हादसे में गई बेटे की जान मृतक के पिता संतराम ने बताया कि लोकेश शराब पीने के आदी थे। उन्हें कभी-कभी दौरे भी पड़ते थे। परिजनों ने किसी पर हत्या का शक नहीं जताया और इसे हादसा माना है। पुलिस ने जांच की शुरू पुलिस जांच कर रही है कि लोकेश गंगानगर क्षेत्र में कैसे पहुंचे और नाले में कैसे गिरे। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया। लोकेश की मौत के बाद इलाके में शोक वही लोकेश की मौत के बाद उसके परिवार सहित पूरे क्षेत्र में अशोक की लहर दौड़ गई है वहीं परिवार के सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक लोकेश के दो बेटे अक्षय कुमार और मयंक उर्फ साहिल हैं।

पुलिस मुठभेड़ में 3 बदमाश अरेस्ट

लूट के बाद नोएडा के होटल में करते थे पार्टी, गैंग में एक युवती भी शामिल

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, विजयनगर थाना पुलिस और स्वॉट टीम ने लूट करने वाले एक गैंग के तीन बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। तीनों के पैरों में गोली लगी है। जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाशों से लूट का सामान, नकदी और तमंचे बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, ये गैंग गाजियाबाद, नोएडा और आसपास के इलाकों में लूट की वारदात करता था। वारदात के बाद ये लोग नोएडा के होटलों में जाकर पार्टी करते थे। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि गैंग में एक युवती भी शामिल है, जिसे ये लोग लूट का पैसा देते थे और उसके साथ ऐश करते थे। विजयनगर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि हिंडन नदी के पास झाड़ियों में कुछ संदिग्ध बदमाश किसी वारदात की फिराक में बैठे हैं। पुलिस और स्वॉट टीम मौके पर पहुंची और जब बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें तीनों बदमाशों को पैरों में गोली लगी और वे घायल हो गए। इनके पास से 2 तमंचे, 19,500 रुपए, सोने के जेवर और स्कूटी बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ में इन बदमाशों ने बताया कि वे किराए के मकानों में रहकर लूटपाट करते थे। उनका एक गैंग है, जो महिलाओं और राहगीरों को तमंचे के बल पर लूटता था। सामान लूटने के बाद वे पीड़ितों को सुनसान जगह पर छोड़ देते थे और जो कुछ मिलता था उसे बेचकर पैसे आपस में बांट लेते थे। बदमाशों ने यह भी कबूला कि नोएडा में होटलों में पार्टी करने के दौरान उनके साथ एक लड़की भी रहती थी,

जिसे वे पैसे देते थे। तीनों ने हाल ही में आईपीएम कॉलेज के पास एक युवक से लूट की वारदात को अंजाम देने की बात भी कबूली है।

भाजपा कार्यकर्ता की बाइक पुलिस ने उठाई

चौकी पर बाइक लेने गए कार्यकर्ता से दारोगा ने की बदसलूकी, कार्यकताओं ने किया विरोध

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, भावनपुर थानाक्षेत्र में पुलिस और भाजपा कार्यकर्ता के बीच विवाद का मामला सामने आया है। भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व मंत्री आदित्य की बाइक को पुलिस लावारिस समझकर हसनपुर चौकी ले गई। आदित्य अपनी बाइक हसनपुर कदीम गांव के बाहर निमार्णाधीन कालोनी के आफिस पर खड़ी कर भाजपा जिलाध्यक्ष की जन्मदिन पार्टी में गए थे। पुलिस बाइक को लावारिस मानकर चौकी ले आई। जब आदित्य बाइक लेने चौकी पहुंचे तो दारोगा संजीव ने बाइक देने से मना कर दिया। आरोप है कि विरोध करने पर दारोगा ने आदित्य को पैर में गोली मारने की धमकी दी। इस पर आदित्य ने अपने साथियों को बुला लिया। कार्यकताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी योगेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को संभाला और आदित्य को उनकी बाइक वापस दिलाई। बजरंग दल के धर्म प्रसार प्रमुख दीपक त्यागी ने दारोगा पर बदसलूकी का आरोप लगाया है।

अवैध हुक्का बारों पर पुलिस का शिकंजा

हुक्के, पाइप, चिलम और फ्लेवर्ड तंबाकू के पैकेट बरामद, 10 आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , पुलिस के अलग-अलग थानों की टीमों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कई मॉल और क्लबों में चल रहे अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़ किया। इस दौरान कुल 10 आरोपी गिरफ्तार किए गए। जिनके कब्जे से हुक्के, पाइप, चिलम और फ्लेवर्ड तंबाकू के पैकेट बरामद किए गए। पुलिस ने सभी मामलों में सिगरेट और तंबाकू उत्पाद के तहत मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना कौशाम्बी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर एंजेल मेगा मॉल स्थित पब्लिक हाउस और द बैंग बैंग क्लब पर छापा मारा। यहां से 5 आरोपी फहीम, शिवम, अश्वनी, त्रिलोक सिंह और अजय को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से 15 हुक्का, 15 पाइप और 6 फ्लेवर्ड तंबाकू पैकेट बरामद किए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अपने क्लब मालिकों के कहने पर ग्राहकों को फ्लेवर्ड हुक्का देते थे। इसी तरह, कौशाम्बी थाना पुलिस ने गॉड फादर क्लब पर भी छापा मारा और बोबी और प्रद्युमन नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। यहां से 5 हुक्का, 5 प्लेटें, 5 पाइप, 5 खाली चिलम और 3 फ्लेवर्ड तंबाकू पैकेट बरामद हुए। वहीं, थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम ने आदित्य मॉल स्थित बिग डैडी क्लब में चल रहे हुक्का बार का खुलासा किया। पुलिस ने संचालक अरुण यादव और उसके साथियों नीरज त्यागी और अरुण सिंह को गिरफ्तार किया। उनके पास से 3 हुक्का, 3 पाइप, 3 चिलम और 2 फ्लेवर्ड तंबाकू पैकेट मिले। तीनों जगहों से गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। पुलिस का कहना है कि अवैध हुक्का बार चलाने वालों पर लगातार कार्रवाई की जाएगी

ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जे और शराब ठेके

- सैकड़ों लोगों ने किया प्रदर्शन, दयानंद चौक पर जाम लगाया; शराब की दुकान पर तोड़फोड़

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में स्थानीय लोगों ने ग्रीन बेल्ट में अवैध कब्जे और शराब ठेके के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। गौर ग्रीन विस्ता, वी3एस और पत्रकार विहार सोसाइटी के निवासियों ने दयानंद चौक पर सड़क जाम कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की मिलीभगत से ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जे बढ़ रहे हैं। यह जगह लोगों के घूमने और बच्चों के खेलने के लिए थी। अब यह गंदगी और शराबियों का अड्डा बन गई है। शराब ठेके के पास खुलेआम शराब पीने और अवैध कैंटीन चलने से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा खतरे में है। प्रदर्शनकारियों ने शराब की दुकान पर तोड़फोड़ की और दुकान का रास्ता बंद कर दिया। स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उच्च अधिकारी उनसे बात नहीं करेंगे और ठोस कार्रवाई का आश्वासन नहीं मिलेगा, विरोध जारी रहेगा। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। वे स्थिति को नियंत्रित करने और लोगों को शांत करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रदर्शन के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और लंबा जाम लग गया।

संक्षेप

जिला सैनिक बन्धु की बैठक का आयोजन 18 सितम्बर को

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। कैप्टन (नौ सेना) आशुतोष चौधरी (अ०प्रा०) जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद के समस्त भूतपूर्व सैनिकों/दिवंगत सैनिकों की पत्नियों एवं उनके आश्रितों को सूचित किया जाता है कि उत्तर प्रदेश शासन के आदेश के अनुसार जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित जिला सैनिक बन्धु की बैठक का आयोजन दिनाँक 18 सितम्बर 2025 दिन गुरुवार समय पूर्वान्ह 11:00 बजे मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार मे आहूत की गयी है। जनपद के समस्त भूतपूर्व सैनिक/दिवंगत सैनिकों की पत्नियों एवं उनके आश्रित, उक्त तिथि, समय एवं स्थल पर सैनिक बन्धु की बैठक में भाग लेने का कष्ट करें।

होमियोपैथिक उपचार के बाबत जागरूकता के लिए एसबीएल ने कराई जागरूकता गोष्ठी

अमन लेखनी समाचार

गाजीपुर, जिले के सैदपुर होमियोपैथी दवानिमार्ता कंपनी एसबीएल ने होमियोपैथिक उपचार के बाबत आमजन में जागरूकता लाने व होमियोपैथी दवा के इस्तेमाल करने को लेकर जागरूक करने के लिए सैदपुर में आर्ट ऑफ प्रिस्क्राइबिंग जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। जहां लोगों को होमियोपैथी दवाओं के उपयोग से लाभ की जानकारी दी गयी। गोष्ठी में सैदपुर सहित आसपास के करीब 30 होमियोपैथी चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया। कम्पनी के एफएसओ अनीश श्रीवास्तव ने होमियोपैथिक दवाओं की गुणवत्ता व दवाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एसबीएल होमियोपैथी दवा के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी कम्पनी गया। इस मौके पर कम्पनी के धर्मेंद्र, शंशाक, स्थानीय विक्रेता आशुतोष बरनवाल आदि रहे। आभार डीएसएफओ मनीष तोमर ने ज्ञापित किया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन झांसी ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को प्रस्तुत की विशेष माँगें

सैकड़ों की संख्या में पत्रकारों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

झाँसी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, जनपद झाँसी इकाई के प्रदेश सचिव बीङ्क बीङ्क गौर, मण्डल अध्यक्ष एसङ्क केङ्क भदौरिया एवं जिलाध्यक्ष मुकेश राजपूत के संयुक्त नेतृत्व में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश व जिलाधिकारी झाँसी को एक विशेष प्रार्थना पत्र प्रेषित किया गया। इस ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीण पत्रकारों ने अपनी समस्याओं व उनके कल्याण से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण माँगें शासन तक पहुँचाई हैं। ग्रामीण पत्रकार समाज लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है, जो समाज की वास्तविकता को सामने लाकर शासन-प्रशासन तक पहुँचाता है। उनकी समस्याओं का समाधान लोकतंत्र व पत्रकारिता के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रमुख माँगें- 1.प्रदेश स्तर का भवनः राज्य मुख्यालय लखनऊ में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के लिए भवन की व्यवस्था कराई जाए, ताकि प्रदेश स्तर की बैठकों का आयोजन सुचारू रूप से किया जा सके और संगठनात्मक मजबूती सुनिश्चित हो।

2.आयुष्मान भारत योजना का लाभः ग्रामीण पत्रकारों को भी मान्यता प्राप्त पत्रकारों के समान आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जाए, जिससे वे व उनके परिवार कैशलेस इलाज का लाभ प्राप्त कर सकें और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो।

3.बीमा एवं पेंशन योजनाः शासन स्तर से ग्रामीण पत्रकारों को बीमा योजना में शामिल किया जाए। साथ ही, 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग पत्रकारों को पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया जाए, ताकि वे आर्थिक रूप से सुरक्षित होकर पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े रहें।

4.अपराध प्रवर्तन व्यवस्थाः पत्रकारों के विरुद्ध बिना पूर्व जांच के कोई प्राथमिकी न दर्ज की जाए, ताकि पत्रकार उत्पीड़न की समस्या समाप्त हो और वे निर्भीक होकर जनहित की खबरें उजागर कर सकें।

5.स्थायी समिति एवं नियमित बैठकेंः राज्य एवं जिला स्तर पर स्थायी समिति की स्थापना की जाए और तहसील स्तर पर भी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित कराई जाएं, ताकि पत्रकारों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके।

6.प्राकृतिक आपदा में सहायताः प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना में मृत पत्रकार के परिजनों को किसान बीमा योजना के समान रूप से पाँच लाख रुपये की सहायता दी जाए। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री राहत कोष से बीमित पत्रकारों के परिजनों को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता भी दी जाए, ताकि उनकी आर्थिक हालत मजबूती से बनी रहे।

7.फर्जी पत्रकारों पर कड़ी कार्रवाईः अवैध वसूली करने वाले फर्जी पत्रकारों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके लिए जिला स्तर पर विशेष बैठक बुलाकर असली एवं फर्जी पत्रकारों की पहचान कर प्रशासनिक रूप से चिन्हित किया जाए।

पत्रकार हित का महत्वः

ग्रामीण पत्रकार समाज लोकतंत्र की मजबूत नींव है, जो न केवल प्रशासनिक लापरवाहियों को उजागर करता है, बल्कि आम जनमानस की आवाज बनकर सरकार तक पहुँचाता है। वर्तमान समय में पत्रकारिता पर बढ़ते हमले व उत्पीड़न को देखते हुए आवश्यक है कि शासन स्तर से उनके सामाजिक सुरक्षा, सम्मान व आर्थिक स्थिरता को सुनिश्चित किया जाए। इससे पत्रकार निडर होकर जनता के मुद्दों का निष्पक्ष व निर्भीक तरीके से प्रकाशन कर सकेंगे, जिससे समाज में लोकतांत्रिक मूल्य व न्याय की स्थिति बनी रहेगी।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, जनपद झाँसी के सैकड़ों पत्रकारों ने मिलकर शासन से अनुरोध किया है कि उपरोक्त माँगों पर शीघ्र प्रभावी निर्णय लिया जाए, ताकि पत्रकार हित सुनिश्चित हो और वे समाज की बेहतरी हेतु निर्भीक होकर कार्य करते रहें।

प्रार्थना पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले प्रमुख पत्रकार

रामकुमार सिंह गुरसराय, अरविंद दुबे मोठ भास्कर बबेले बंगरा अभिषेक जैन (बबीना), मनीष साहू (बबीना), रहीश यादव (मऊरानीपुर), अर्चना श्रीवास्तव (तेजपुरा), अंखलेश राय (मऊरानीपुर), शाहिद मंसूरी (बबीना), आरिफ मंसूरी (बबीना), सुमित साहू (बबीना), अंकित मिश्रा (बबीना), रफीक राईन (बबीना), धीरेन्द्र सोनी (बंगरा), मानवेन्द्र सिंह चौहान (बंगरा), आयुष मिश्रा (बंगरा), नीरज (झाँसी), अनुभव श्रीवास्तव (बबीना), आकाश पाल (बरुआसागर), चंद्रेंद्र सिंह गौर (झाँसी), रामपाल सिंह यदुवंशी गरौठा, कपिल शर्मा (गरौठा), कृष्ण कुमार दीक्षित (बंगरा), सौरभ पाठक (बरुआसागर), विवेक अग्रवाल (गरौठा), दिलीप यादव, संजय रिछारिया (गरौठा), प्रदीप शर्मा (गरौठा), कल्लू वर्मा (गरौठा), हेमंत यादव (गरौठा), धर्मेंद्र तिवारी (गरौठा), राजकुमार मिश्रा (गरौठा), विपिन कुमार (गरौठा), आशीष कुमार (गरौठा), अजय चतुर्वेदी (बरुआसागर), नेहा श्रीवास (मऊरानीपुर), पवन कुमार (मऊरानीपुर), पुष्पेंद्र श्रीवास (मऊरानीपुर), मुकेश मोदी (बबीना), प्रदीप श्रीवास (मऊरानीपुर), रविकांत कुमार घोष (बंगरा), कल्याण सिंह (मऊरानीपुर), रिंकू सेन (मऊरानीपुर), मानवेन्द्र सिंह यादव (गरौठा), शिवा रावत (गरौठा), महेन्द्र सिंह सौलंकी (मऊरानीपुर), महेन्द्र नायक (मऊरानीपुर), रानु पाण्डेय (मोठ), भरत नामदेव (मोठ), अनुपम श्रीवास्तव (मोठ), संजीव व्यास (मऊरानीपुर), अनुज क्षेत्रीय (रानीपुर), पवन कुमार जैन (बरुआसागर), शबा खान (झाँसी), भास्कर बबेले (बंगरा), अखिलेश तिवारी (गुरसराएं), डीकू जैन, सोम मिश्रा (गुरसराएं), आशुतोष गोस्वामी (गुरसराएं), कौशल किशोर (गुरसराएं), सार्थक नायक (गुरसराएं), शौकीन खान (गुरसराएं), मोनू (गुरसराएं), आदि पत्रकार उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक ने खाद की समस्या को लेकर उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

किसानों को समय से उपलब्ध कराई जाए खाद - डमडम व्यास

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झांसी। तहसील क्षेत्र में किसानों को खाद के लिए हो रही भारी परेशानी को देखते हुए पूर्व विधायक बृजेंद्र कुमार व्यास उर्फ डमडम महाराज ने सैकड़ों समर्थकों के साथ उपजिलाधिकारी सुनील कुमार के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने महामहिम राज्यपाल को अवगत कराया की गरौठा तहसील जिले की सबसे पिछड़ी तहसील है। गरौठा क्षेत्र के अधिकांश व्यक्ति किसान हैं खाद वितरण में किसानों के साथ व्यापक तरीके से धांधली की जा रही है। किसान कई कई घंटे कड़ी धूप में खड़े रहते है इसके बावजूद किसानों को खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है जिससे किसान अपने खेतों में बुवाई नहीं कर पा रहे हैं। जिस कारण क्षेत्रीय किसानों में अत्यधिक रोष व्याप्त है। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने महामहिम राज्यपाल से अनुरोध किया कि समय पर किसानों को खाद उपलब्ध कराया जाए एवं खाद वितरण सही ढंग से कराया जाए जिससे सभी किसानों को खाद उपलब्ध हो सके और किसान समय पर अपनी बुवाई कर सके।

इस मौके पर सोनू विश्वकर्मा, प्रमोद कुमार दुबे, संजय परिहार, सतबीर सिंह, हरिशंकर खरे, जिला महासचिव राजेंद्र बुंदेला, ब्लॉक अध्यक्ष बामौर वीरेंद्र कुमार यादव, राम सिंह यादव, बॉबी, अमित सेंगर, आशु परिहार, आशीष परिहार, पार्षद हारुन खान, अमित परिहार, आदित्य राजपूत, अर्पित राजपूत, विवेक, शशिकांत, जानकी प्रसाद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे। इसके बाद पूर्व विधायक ने ग्राम ढिपकई में जाकर खाद के लिए परेशान हो रहे किसानों से मुलाकात की एवं अधिकारियों से किसानों को जल्द से जल्द खाद दिलाए जाने की बात कही।

ग्रामीण पत्रकारों की सात सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम को सौंपा गया ज्ञापन

आयुष्मान भारत योजना का लाभ, बीमा-पेंशन सुविधा, फर्जी पत्रकारों पर कार्रवाई की उठी मांग

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। मंगलवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन हरदोई के बैनर तले सैकड़ों पत्रकारों ने एकजुट होकर अपनी सात प्रमुख मांगों को लेकर जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। पत्रकारों ने लखनऊ में एसोसिएशन के लिए कार्यालय भवन आवंटित करने, ग्रामीण पत्रकारों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने तथा बीमा एवं पेंशन सुविधा मुहैया कराने की मांग की।

ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि किसी भी पत्रकार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने से पूर्व निष्पक्ष जांच की व्यवस्था की जाए। इसके अतिरिक्त तहसील स्तर पर पत्रकार बैठकों के नियमित आयोजन, दुर्घटना या आपदा में मृत पत्रकारों के परिजनों को आर्थिक सहायता और फर्जी पत्रकारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

ग्रामीण क्षेत्रों की आवाज हैं पत्रकार

एसोसिएशन ने ज्ञापन में यह स्पष्ट किया कि ग्रामीण पत्रकार सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों में भी जनसमस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे में उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है।

सैकड़ों पत्रकार हुए शामिल

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह के नेतृत्व में मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह, आईएनए चीफ एडिटर विजयलक्ष्मी सिंह, सवायजपुर से विकास मिश्रा, सुधांशु सिंह, रजनीश सिंह, नवल किशोर, संडीला से मुकेश सिंह, पिहानी से सागर पांडेय, बबलू प्रजापति, फूल सिंह, सुनील राठौर, सुधीर राठौर, नीरज अवस्थी, हरियावा से अमित अवस्थी एवं टीम, बिलग्राम से नन्दकिशोर गुप्ता, मायप्रकाश अग्निहोत्री, अखिलेश गुप्ता, मनीष तिवारी, रामनरेश आर्य, राहुल गुप्ता, जितेंद्र कुमार, संजय मौर्या, रामकिशोर शर्मा, मो. इस्लाम, नूरुद्दीन, शमसुद्दीन, सैयद अनवार हुसैन, मो. अशद सहित अन्य पत्रकार साथी मौजूद रहे।

इसके अलावा रमाकांत मिश्रा, पंकज गुप्ता, अनुज गुप्ता, रबी सिंह, अनुरंत सिंह, राहुल, धनपाल सिंह, तहसील अध्यक्ष मुकेश सिंह सोमवंशी, तहसील महामंत्री अजीत प्रताप, तहसील कोषाध्यक्ष प्रियदर्शी गुप्ता, सूचित तिवारी, सी.पी. मौर्या, तहसील सदर अध्यक्ष सुशांत सिंह, महामंत्री गंगा शंकर दीक्षित तथा शाहाबाद तहसील की पूरी टीम सहित सभी ब्लॉकों से भारी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक चित्रकूट की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था के विषय में बैठक हुई

जिला संवाददाता प्रमोद मिश्रा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में संयुक्त निदेशक अभियोजन विनोद कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह की उपस्थिति में पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में पुलिस महानिदेशक उ०प्र० महोदय द्वारा निर्गत डीजी परिपत्र संख्याः24/25, 29/25,31/ 25,36/25 व पुलिस महानिदेशक उ०प्र० द्वारा निर्गत पत्र संख्याः डीजी-10 एवं अपर पुलिस महानिदेशक अपराध उ०प्र० के पत्र संख्याः डीजी सात-एस-14 (09)/2021 के माध्यम से निर्गत भिन्न-भिन्न आदेशों का अनुपालन कराने जाने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारी/थाना प्रभारी /विवेचकों को विधिवत जानकारी प्रदान कर निदेर्शों प्राविधानों के अक्षरशः क्रियान्वयन/अनुपालन हेतु दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान संयुक्त निदेशक अभियोजन द्वारा डीजी परिपत्र संख्याः24/25 में इठरर-2023 में विवेचना हेतु आडियो वीडियो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम का प्रयोग किये जाने सम्बन्धी दिए गए प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने के सम्बन्ध में, डीजी परिपत्र संख्याः29/25 में अभियुक्त की गिरफ्तारी के दौरान मा० सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन किये जाने तथा पुलिस अभिरक्षा के दौरान अभियुक्तों के साथ दुर्व्यवहार न किये जाने के सम्बन्ध में, डीजी परिपत्र संख्याः31/25 विवेचना के उपरान्त विवेचनाधिकारियों द्वारा आरोप पत्र/अंतिम रिपोर्ट मा० न्यायालय में भेजने के सम्बन्ध में डीजी परिपत्र संख्याः36/25 उत्तर प्रदेश गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) नियमावली, 2021 के अनुपालन हेतु विस्तृत जानकारी दी गई तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यशाला में उपस्थित अधिकारीगण को डीजी परिपत्र एवं मुख्यालय से प्राप्त पत्रों का गहनता से अवलोकन कर दिए गए निदेर्शों का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने/कराने हेतु निर्देशित किया गया।

प्रधानमंत्री जन्मदिवस पर विभिन्न कार्यक्रम होगे आयोजित - अपर्णा दुबे

अमन लेखनी समाचार

गुरसराय। भाजपा कार्यालय पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस को भाजपा कार्यकर्ता पूरे देश में एक पखवाड़े के तहत मनाकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेंगे। जिसमें महिला मोर्चा बढ़-चढ़कर सहभागिता निभायेगी। यह बात क्षेत्रीय सोशल मीडिया प्रमुख अपर्णा दुबे ने महिलाओं के बीच कही। भाजपा कार्यालय पर महिला मोर्चा द्वारा आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सोशल मीडिया प्रमुख अपर्णा दुबे ने सर्व प्रथम महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात महिला कार्यकताओं ने उनका माला पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय सोशल मीडिया प्रमुख अपर्णा दुबे ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्म दिवस पूरा देश एक पखवाड़े के तहत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक विभिन्न सामाजिक व रचनात्मक कार्यक्रमों के बीच मनाया जायेगा। आगे उन्होंने कहा भाजपा एक ऐसी पार्टी है जहां सर्व समाज के व्यक्ति का सम्मान व देश हित में कार्य किया जाता है। वहीं आज हम देश वासियों को गर्व है कि पूरे विश्व में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वजह से भारत अपने आप में एक सम्मान का परचम फहरा रहा है तो वहीं उत्तर प्रदेश यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वजह से उत्तम प्रदेश बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस पखवाड़े के तहत विभिन्न संस्थाओं में महिलाओं द्वारा रंगोली कार्यक्रम, सफाई अभियान के तहत जागरूकता अभियान चलाकर टीसी महिलाओं को रचनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करेंगीं।

इस अवसर पर कविता शर्मा जिला उपाध्यक्ष, संध्या निरंजन जिला मंत्री, कविता अग्रवाल मण्डल महामंत्री, देव कुमार प्रजापति जिला कार्यकारिणी सदस्य, हरेन्द्र कुमारी राजपूत, संगीता देवी, द्रोपदी कुशवाहा सहित आदि महिलाएं उपस्थित रहीं। अंत में कविता शर्मा जिला उपाध्यक्ष ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

ग्रामीण पत्रकारों को भी आयुष्मान योजना का मिले लाभः डॉक्टर परमेश्वर दयाल

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा अध्यक्ष डॉ0 परमेश्वर दयाल श्रीवास्तव ₹पुष्कर₹ के नेतृत्व में मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंच कर मुख्यमंत्री को सम्बोधित सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन पत्र एडीएम न्यायिक आरसी यादव को सौंपा गया। सात सूत्रीय मांगपत्र में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तरप्रदेश के लिए राज्य मुख्यालय लखनऊ में शासन की ओर से अन्य संगठनों की भांति कार्यालय भवन आवंटित करने, मान्यता प्राप्त पत्रकारों की तरह ग्रामीण पत्रकारों को भी आयुष्मान योजना का लाभ देने, ग्रामीण पत्रकारों को शासन स्तर पर बीमा का लाभ देने, 60 वर्षीय बुजुर्ग पत्रकारों को पेंशन लाभ मुहैया कराने के साथ ही ग्रामीण पत्रकारों के विरुद्ध कोई भी प्राथमिकी दर्ज करने से पूर्व जिला पुलिस के किसी राजपत्रित अधिकारी से अनिवार्य रूप से जाँच कराने की मांग सम्मिलित है, जिससे पत्रकारों को उत्पीड़न से रोका जा सके। मांगों के अग्रेतर क्रम में यह भी उल्लेख है कि राज्य एवं जिला स्तर पर स्थाई समिति की भांति तहसील स्तर पर भी प्रशासनिक अधिकारियों सँग ग्रामीण पत्रकारों की बैठकें कराई जांय तथा शासन के निर्देशानुसार ग्रामीण पत्रकारों के सभी तहसील अध्यक्षों को इसमें अनिवार्य रूप से शामिल किया जाय। इसके साथ ही प्राकृतिक आपदा अथवा दुर्घटना में मृत पत्रकारों के परिजनों को किसान बीमा योजना की तरह तत्काल पाँच लाख रुपये की सहायता प्रदान करने एवं इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री राहत कोष से 20 लाख रुपये आर्थिक मदद की मांग शामिल है, जिससे शोकग्रस्त परिवार को संकट की घड़ी में सहारा मिल सके।

भखरवार ग्राम पंचायत में विकास कार्य सही आरोप असत्य

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट। रामनगर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत भखरवारा एक छोटी ग्राम पंचायत है जिस पर मात्र दो मजरे हैं। पंचायती राज के 5 वर्ष पूरे हो रहे हैं और अगले वर्ष प्रधानी के चुनाव होने हैं। ग्राम प्रधान बच्चा कोटार्य ने गांव के विकास के लिए अच्छा कार्य किया है। राज्य वित्त व केंद्र वित्त से एक करोड़ 36 लाख 48652 रुपए गांव के विकास के लिए पैसा आया है। ग्राम प्रधान बच्चा कोटार्य ने स्वच्छता पर लाखों रुपए खर्च किया है तथा पेयजल व्यवस्था में भी ग्राम प्रधान ने लाखों रुपए खर्च किए है। मनरेगा के तहत अमृतसर का निर्माण करवाया है तथा उसमें सभी मजदूरों की मजदूरी दी गई है। ग्राम प्रधान बच्चा कोटार्य ने वर्तमान

पंचवर्षी में आंगनबाड़ी केंद्र, खाद गड्ढे बनवाया, ठोस गीला कचरा केंद्र की बिल्डिंग बनवाई, रोड और नालियों का निर्माण कराया, जिसमें प्रधान ने लाखों रुपए खर्च किए। ग्राम प्रधान भखरवार के गौशाला के गोवंश बाड़े में ही रहकर के भरण पोषण करते हैं क्योंकि भखरवारा ग्राम पंचायत में चराने की कोई जगह नहीं है, इसलिए प्रधान गोवंश बाड़े के गोवंश को भरण पोषण पूरे पैसे से करता है। इस साल बारिश ने कई वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ा है इसलिए भाखरवारा ग्राम पंचायत की मिट्टी काली होने के कारण पशुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा जिस पर कई मीडिया वालों ने प्रधान को बहुत ही परेशान किया जिससे उसको हार्ट, शुगर और फैटी लीवर जैसी बीमारी हो गई है। ग्राम पंचायत भाखरवारा में छोटी ग्राम पंचायत होने के कारण विकास का पैसा वैसे आया है जिसको प्रधान ने अपना छोटा वहदे जाति समझते हुए सभी कार्य पूर्ण रूप से काराए हैं।

मणिकर्णिका वूमेंस क्लब झाँसी की तीसरी इंस्टॉलेशन सेरेमनी सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

झाँसी। महिला सशक्तिकरण और समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत मणिकर्णिका वूमेंस क्लब ऑफ झाँसी की तीसरी इंस्टॉलेशन सेरेमनी का आयोजन सोमवार को होटल रीजेंटा में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में नई कार्यकारिणी ने पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रोली गुप्ता (अपर नगर आयुक्त झाँसी) व विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला थानाध्यक्ष किरन रावत, डॉ. नीति शास्त्री (राष्ट्रपति अवॉर्डी) और डॉ. अल्का सेठी उपस्थित रहीं। अतिथियों के आगमन पर गणेश वंदना एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई। कार्यक्रम में प्रीति अग्रवाल को विशेष रूप से सम्मानित किया गया जिन्होंने 3869 पासों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिमा बनाई है। क्लब की चार्टर प्रेसिडेंट सपना

सरावगी, पास्ट प्रेसिडेंट नेहा तिवारी, वाइस प्रेसिडेंट मोना राय, सेक्रेटरी अंजलि अग्रवाल और ट्रेजरार रक्षा शर्मा ने पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और नई टीम को शुभकामनाएँ दीं। नवगठित टीम 2025झ26 में प्रेसिडेंट के रूप में ओमनी राय, वाइस प्रेसिडेंट के रूप में नूपुर अग्रवाल, सेक्रेटरी के रूप में संयुक्ता शर्मा व ट्रेजरर के रूप में तमन्ना राय को शपथ दिलाकर पदभार सौंपा गया। इस अवसर पर नई टीम ने क्लब के सामाजिक कार्यों को और व्यापक बनाने तथा महिला सशक्तिकरण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई पहलें शुरू करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में संस्थापक सदस्य रचना कुदरिया, सोनिया सिंह, टिवंकल बंसल, शेफाली अग्रवाल, सिमरत जिज्ञासी के साथ सम्मानित सदस्यों में शिल्पी गुप्ता, मोनिका कोचर, दीप्ति सोनी, कशिश अग्रवाल, अंकिता अग्रवाल, प्रेरणा सहवानी व अन्य सदस्यों में दीपा अग्रवाल, डॉक्टर फैरी, राखी मिश्रा, कविता पांडे, दीपा अग्रवाल, दर्शना सोनी, प्रेरणा हजेला, ज्योत्सना, पूनम, श्वेता जैन, मायरा डोलतानी, नीलू नरवानी, नेहा राय, प्रीति बाजपेई, शिवानी अग्रवाल, नेहा रायकवार, साक्षी, शिखा अरोरा, प्रियंका राय व कमलेश आदि उपस्थित रहे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक - श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक - रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

वर्चुअल रियलिटी थेरेपी

रिश्तों में नई सोच की राह

आज अधिकांश कपल्स वर्किंग हैं, बिजी रहते हैं, एक दूसरे को समय नहीं दे पाते, एक कम्युनिकेशन गैप रहता है। इस कारण मैरीड लाइफ में बहुत सी ऐसी बातें पैदा होती हैं, जो तनाव लाकर दूरियां बढ़ाती हैं। ऐसे में वर्चुअल रियलिटी थेरेपी मधुर दांपत्य जीवन की राह बनाती है।

कवर स्टोरी

डॉ. शिवांगी रावत

साइकोलॉजिस्ट, मेंटल हेल्थ एंड रिलेशनशिप थेरेपिस्ट, सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली

पति-पत्नी का रिश्ता केवल साथ रहने भर का ही नहीं, भावनात्मक जुड़ाव और आपसी समझ का भी प्रतीक है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी और बढ़ती व्यस्तताओं में यह जुड़ाव कई बार कमजोर पड़ जाता है। छोटी-छोटी गलतफहमियां, संवाद की कमी या अहंकार रिश्ते में दूरियां ले आते हैं। ऐसे में रिश्ते को फिर से जोड़ने और पुरानी मधुर यादों को ताजा करने के लिए कपल्स को कई बार रिलेशनशिप एक्सपर्ट या साइकोलॉजिस्ट से सलाह की जरूरत पड़ती है, जो विभिन्न थेरेपी के माध्यमों से दोनों के गिले-शिकवे दूर कर सामंजस्य बैठाने की कोशिश करते हैं, कपल्स इसके बाद बेहतर जिंदगी गुजार पाते हैं। इन्हीं में से एक थेरेपी है- वीआरटी मतलब वर्चुअल रियलिटी थेरेपी।

क्या है वीआरटी

यह थेरेपी वैवाहिक जीवन को अधिक प्रभावी और इंटरैक्टिव बनाने का अवसर प्रदान करती है। इसमें तकनीक और मनोविज्ञान को जोड़कर पति-पत्नी को एक नियंत्रित और सुरक्षित वर्चुअल वातावरण उपलब्ध कराया जाता है। दोनों साथी न केवल अपने दृष्टिकोण और भावनाओं को नए सिरे से पुनर्जीवित करते हैं, वास्तविक जीवन की जटिल परिस्थितियों का सजीव अनुभव लेकर, व्यवहार में भी सकारात्मक बदलाव लाते हैं। वीआरटी, एक नई प्रकार की थेरेपी है, जिसमें प्रभावित कपल को कंप्यूटर जनरेटेड वर्चुअल एनवॉयर्नमेंट के माध्यम से थेरेपी सेशन दिए जाते हैं। इन सेशंस के दौरान निजी और सुरक्षित वातावरण में उनके आपसी संबंधों पर कार्य किया जाता है।

थेरेपी का तरीका

इस थेरेपी में प्रभावित पति-पत्नी को एक वीआर हेडसेट पहनाया जाता है। जिसके जरिए थेरेपिस्ट उन्हें उनकी समस्या से जुड़े एक रियलिस्टिक वर्चुअल वर्ल्ड में ले जाता है। उनकी प्रॉब्लम के हिसाब से वर्चुअल सीन बनाए जाते हैं, जैसे कम्युनिकेशन प्रैक्टिस, ट्रस्ट-बिल्डिंग टास्क, कॉनफ्लिक्ट सिचुएशन, रिलैक्सेशन एनवॉयर्नमेंट या बॉन्डिंग एक्टिविटीज। थेरेप्यूटिक इंटरैक्शन के जरिए दोनों पार्टनर को उन सींस में एक साथ मिल कर पार्टिसिपेट करवाया जाता है। थेरेपिस्ट दोनों पार्टनर से उनकी समस्या और अपेक्षाओं के बारे में बात करता है। रिलेशनशिप की समस्याएं, इमोशनल पैटर्न और व्यक्तिगत मानसिक असामान्यता की स्थिति (जैसे-एंग्जाइटी, डिप्रेशन आदि) का आकलन किया जाता है। थेरेपिस्ट उनके रिएक्शन और इंटरैक्शन को मॉनिटर करता है। जरूरत पड़ने पर उन्हें इमोशनल रिस्पॉन्स और कम्युनिकेशन सुधारने के बारे में समझाता है। इस सेशन के बाद साइकोथेरेपिस्ट, थेरेपी के दौरान किए गए व्यावहारिक बदलावों को उन्हें असल जिंदगी में अपनाने की सलाह देता है।

किन स्थितियों में है उपयोगी

पति-पत्नी के बार-बार के झगड़ों या टकराव के बाद संवाद की कमी हो या इमोशनल डिस्टेंस बढ़ा हो और पुराने झगड़े के कारण बॉन्डिंग कमजोर हो गई हो या फिर जब पार्टनर सीधे बातचीत के लिए तैयार न हों, पर रिश्ते को बचाना चाहते हों। ऐसी कंडीशंस में वीआरटी की जरूरत पड़ती है।

केवल तकनीकी अनुभव नहीं

वर्चुअल रियलिटी थेरेपी, कपल्स के लिए केवल एक तकनीकी अनुभव नहीं रहता, बल्कि एक साझा भावनात्मक यात्रा बनती है। कपल अपने ट्रॉमैटिक या इमोशनल एक्सपीरियंस को सिम्युलेट (पुनः अनुभव) करते हैं, थेरेपिस्ट की मदद से उनका समाधान ढूंढते हैं। थेरेपिस्ट की मदद से

संवाद, समझ और तनाव प्रबंधन के कौशल सीखते हैं। उन्हें न केवल एक-दूसरे के दृष्टिकोण को बेहतर समझने में मदद मिलती है, वे वास्तविक जीवन की समस्याओं को आपसी सामंजस्य से सुलझाना भी सीखते हैं। उनके बीच आपसी विश्वास और समझ मजबूत होती है।

रिसर्च के नतीजे हैं पॉजिटिव

अध्ययनों से भी साबित हो गया है कि वीआरटी न सिर्फ व्यक्ति के भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान में मददगार है, पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूती प्रदान करने में भी कारगर है। भारत में मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु जैसे शहरी मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी कपल्स काउंसलिंग में वीआरटी का प्रयोग हो रहा है। इसका फीडबैक काफी पॉजिटिव रहा है। यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना में की गई एक स्टडी में पाया गया कि जिन कपल्स ने छह सप्ताह के संयुक्त वीआरटी थेरेपी सेशन लिए, उनकी आपसी समझ, भावनात्मक-वैचारिक तालमेल, कम्युनिकेशन लेवल और सामंजस्य में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। साइकोलॉजी एंड काउंसलिंग रिसर्च, जापान में कपल्स पर वीआरटी के उपयोग से पति-पत्नी में ऑक्सीटोसिन बॉन्डिंग हार्मोन के लेवल में वृद्धि हुई। जिससे उनमें एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति और क्षमा करने की क्षमता में सुधार देखा गया। उनमें भावनात्मक जुड़ाव यानी बॉन्डिंग मजबूत हुई। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कपल थ्योरी में ब्राउन एंड हार्टले का मानना है कि जिन कपल्स ने तीन महीने तक वीआरटी प्रैक्टिस सेशन लिए, उनमें काफी पॉजिटिव बदलाव दिखे। इससे उनमें बार-बार होने वाली नोक-झोंक में कमी आई। वे पहले से ज्यादा शांत हो गए, इनमें एक-दूसरे को सुनने-समझने की क्षमता का विकास हुआ।

क्या हैं फायदे

वर्चुअल रियलिटी थेरेपी के बहुत से ऐसे फायदे हैं, जो दांपत्य संबंधों को मधुर और मजबूत बनाने में सहायक रहते हैं। इस थेरेपी के क्या फायदे हैं, जानिए-

बॉन्डिंग होती है मजबूतः वर्चुअल रियलिटी थेरेपी से तमाम कश-म-कश के बावजूद पति-पत्नी को एक-साथ समय बिताने का मौका मिलता है। उनमें समझ और भावनात्मक जुड़ाव गहरा होता है। यह उनकी आपसी प्रतिबद्धता, विश्वास और समस्या हल करने की क्षमता को बढ़ाता है, जिससे उनकी बॉन्डिंग मजबूत होती है।

सिक्योर एक्सपोजरः पति-पत्नी अपनी इमोशनल या ट्रॉमैटिक यादों का सामना बिना किसी डर या खतरे के करते हैं।

सामंजस्यपूर्ण भागीदारी बढ़नाः वीआरटी का वर्चुअल एंवॉयर्नमेंट पति-पत्नी को असल जिंदगी में एक-दूसरे के साथ सामंजस्य स्थापित करना सिखाता है। गुस्से या दुख में तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय, ठहरना सीखने में मदद कर रिलेशनशिप में स्थायित्व और भावनात्मक स्थिरता लाता है।

बेहतर कम्युनिकेशनः कपल को अपनी फीलिंग्स बिना किसी जजमेंट के व्यक्त करने का अवसर मिलता है। उनका मनमुटाव खत्म होता है।

स्ट्रेस कम होनाः न्यूरोसाइंस के मुताबिक वीआरटी के रिलैक्सेशन मॉड्यूल से दोनों पार्टनर के शरीर में हैप्पी हार्मोन ऑक्सीटोसिन, डोपामाइन का स्राव बढ़ जाता है, जिससे उनका तनाव और एंग्जायटी कम होती है।

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

तनाव कम करने में मदद करती हैं यात्राएं

अपनी व्यस्त दिनचर्या के बीच कभी-कभी यात्रा के लिए निकलना बहुत जरूरी है। इससे हमें एक ताजगी मिलती है, हम नई ऊर्जा से भरते हैं, मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। साथ ही हम जगह-जगह की संस्कृति से परिचित भी होते हैं।

जीवनशैली

बुशरा फातमा

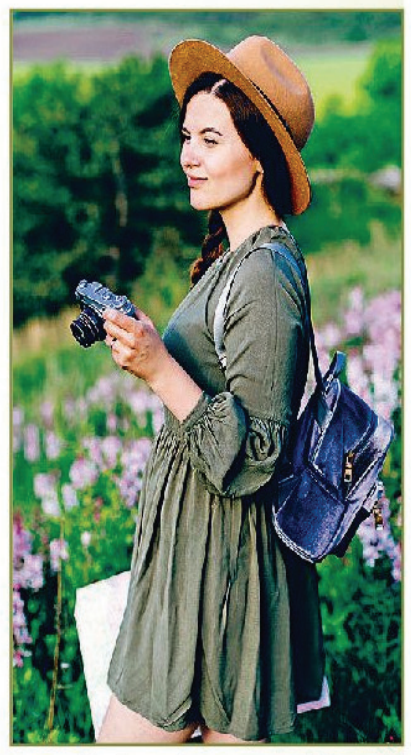

अगर रोजमर्रा के जीवन में कोई एक बात आज आम हो गई है तो वो है लोगों में स्ट्रेस यानी तनाव। काम-काज का बढ़ता दबाव, घरेलू जिम्मेदारियां, कॉम्पिटिशन और बढ़ते डिजिटल दुनिया का प्रभाव मानसिक रूप से हम सबको खूब थका रहा है। इसलिए इन सब के बीच में छोटी-सी यात्रा, सैर-सपाटा मन को शांत और प्रफुल्लित करता है, थकान मिटाकर नई ऊर्जा से भरता है। हेल्थ और फिटनेस के लिए वर्ल्ड इंफ्लुएंसर्स एंड ब्लॉगर अवार्ड से सम्मानित प्रमीला ओल्सन यात्राओं को एक दवा की तरह मानती हैं, जो जिंदगी जीने को आसान बनाती है।

स्वयं के साथ समय बिताने का अवसरः जो लाइफस्टाइल हम आज फॉलो कर रहे हैं, वो कहीं न कहीं हमें खुद से भी दूर ले जाती है। यात्राएं हमें खुद के करीब लाती हैं। यात्राओं के दौरान हमें आत्ममंथन करने का अवसर मिलता है, जो बहुत जरूरी है। जब भी जीवन का शोर-शराबा मन को अशांत करने लगे, तनाव को जन्म दे तो किसी यात्रा पर निकल जाएं। बेशक फैमिली के संग या सोलो ट्रैवल कीजिए, लेकिन एक छोटी-सी ट्रिप आपके तनाव को कम करने में बहुत मददगार साबित होगी।

प्रकृति के करीब मिलती है शांतिः सच कहा जाए तो नेचर, स्वास्थ्य का सबसे बड़ा साथी है। आप अपने ट्रैवल के लिए ऐसी जगहों का चुनाव करें, जो प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर हों। याद रखें नदी, पहाड़ या समंदर इंसान को हील करने का काम करते हैं। अगर आप किसी मेंटल ट्रॉमा से भी गुजर रही हैं तो प्रकृति इससे उबारती है। इसलिए जब भी तनाव आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करने लगे, तो छोटे ही सही कम से कम एक ट्रिप जरूर प्लान कीजिए, यह बहुत अच्छा ऑप्शन है।

रिश्तों में नजदीकियां बढ़ाती हैं यात्राएंः हम सब अपनी-अपनी जिंदगी में इतने मसरूफ हो जाते हैं कि एक घर में रहते हुए भी साथ समय नहीं बिता पाते। छोटे-छोटे ट्रिप, पारिवारिक संबंधों के लिए भी अच्छे हैं। साथ बिताया हुआ समय यादगार साबित होता है। ये समय रिश्तों को भी नई ताजगी से भरता है। इसलिए साल में कम से कम एक बार परिवार के साथ कहीं घूमने जरूर जाएं। यात्राएं जगह-जगह की संस्कृति से रूबरू कराती हैं। जब भी हम कहीं घूमने जाते हैं तो उस जगह की संस्कृति, खाना-पीना हमारी सोच को भी नया आयाम देती है। नई चीजें, बातें हमेशा हमें सकारात्मकता की तरफ ले जाती हैं। यात्राएं जीवन के बहुत से ऐसे पहलुओं से हमें रूबरू करवाती हैं, जिनसे हम अनभिज्ञ होते हैं। जीवन को शांत और मेंटल हेल्थ को अच्छा बनाने का सबसे अच्छा और सुगम तरीका है यात्राएं।

हैप्पी हॉर्मोन बढ़ाती हैं यात्राएं

अगर आप साल में एक-दो छोटे ट्रिप भी करती हैं तो यह संभव है कि आप तनाव को अच्छे तरीके से संभाल लेंगी। भागती हुई जिंदगी में तनाव स्वाभाविक है, लेकिन इसे मैनेज करने का तरीका आना चाहिए। यात्राएं हमारे हैप्पी हॉर्मोन को बढ़ाती हैं, स्ट्रेस कम करने में मदद करती हैं। बेशक दूसरे खर्चे थोड़े कम हो जाएं, लेकिन अपनी मेंटल हेल्थ सही रखने के लिए ट्रैवलिंग के लिए थोड़ी सेविंग जरूर करें।

सभी अभिभावक चाहते हैं, उनके बच्चे का भावनात्मक और बौद्धिक विकास बहुत अच्छा हो। इसके लिए वे अपनी तरफ से कई तरीके अपनाते हैं। लेकिन अगर इसके लिए वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित उपायों को अपनाया जाए तो बच्चों का बौद्धिक-भावनात्मक विकास बहुत अच्छा होता है।

जब अपनाएंगे वैज्ञानिक उपाय तब होगा

बच्चों का भावनात्मक-बौद्धिक विकास

परवरिश

शिखर चंद जैन

माता-पिता द्वारा बच्चों के मस्तिष्क के विकास को समझना और उन्हें शुरू से ही सही पालन-पोषण देना जरूरी है ताकि बच्चों का सही भावनात्मक और बौद्धिक विकास हो सके।

समझें मस्तिष्क कोः बच्चों का मस्तिष्क विकासशील होता है और माता-पिता इसे समझकर बच्चों को भावनात्मक रूप से संतुलित, लचीला और सामाजिक रूप से सक्षम बनाने में मदद कर सकते हैं। मस्तिष्क के दो हिस्से होते हैं- बायां और दायां मस्तिष्क। बायां हिस्सा तर्क, विश्लेषण और भाषा के लिए जिम्मेदार होता है, जबकि दायां हिस्सा भावनाओं और रचनात्मकता से जुड़ा होता है। इसी तरह इसके दो और भाग होते हैं, ऊपरी और निचला मस्तिष्क। ऊपरी हिस्सा निर्णय लेने, आत्म-नियंत्रण और योजना के लिए जिम्मेदार है, जबकि निचला हिस्सा प्राथमिक भावनाओं, प्रतिक्रियाओं (जैसे गुस्सा, डर) को नियंत्रित करता है।

बच्चे की स्मृति और भावनाएंः बचपन के अनुभव और स्मृतियां ही आगे चलकर बच्चों के व्यवहार को आकार देती हैं। इसके लिए माता-पिता को शुरू से ही उन्हें एक सकारात्मक, स्नेहिल और मेल-जोल वाले पारिवारिक-सामाजिक माहौल में रखना चाहिए। जिससे बच्चा संतुलित और स्वस्थ तरीके से सोच सके और वैसा व्यवहार करे।

परिवार का माहौल हंसी-खुशी वाला रखेंः अभिभावक सुनिश्चित करें कि परिवार के सभी सदस्य मतलब भाई-बहन, चाचा-चाची, दादा-दादी, बच्चे के साथ हंसाने, खुश रखने और उसे सक्रिय रखने वाली गतिविधियों में शामिल हों। जैसे उसके साथ इंडोर या आउटडोर गेम्स खेलना या हंसना। ये एक्टिविटीज ब्रेन में सकारात्मक रसायनों को बढ़ाती हैं। यह सब बच्चों में तनाव तो कम करता ही है, परिवार के जुड़ाव को मजबूत भी करता है।

भावनाओं की अभिव्यक्ति सिखाएंः बच्चों को उनकी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करना सिखाएं। उदाहरण के लिए खिलौना टूटने पर जब वह चिड़चिड़ा हो जाए और चीजों को फेंकने लगे तो उसे समझाएं, 'तुम्हें गुस्सा आ रहा है, क्योंकि तुम्हारा खिलौना टूट गया। कोई बात नहीं, यह नया आ जाएगा।' इससे उसकी भावनाएं कम आहत होती हैं। भावनाओं को तर्कसंगत नाम देने से बच्चे का मस्तिष्क शांत होता है और वे अपनी भावनाओं को बेहतर समझ पाते हैं।

भावनाओं पर नियंत्रण सिखाएंः बच्चों को सिखाएं कि भावनाएं अस्थाई हैं। जैसे कोई उससे नाराज या गुस्सा है तो धीरे से समझाएं 'यह गुस्सा थोड़ी देर में गायब हो जाएगा।' यह तरीका बच्चों को भावनाओं को प्रबंधित करने और आत्म-नियंत्रण विकसित करने में मदद करता है। साथ ही बच्चों को उनके शरीर की संवेदनाओं, मानसिक चित्रों, भावनाओं और विचारों को पहचानने में मदद करें।

ब्रेन को एक्टिव रखें

बच्चे के बौद्धिक विकास के लिए उन्हें मानसिक व्यायाम जैसे कि खेल, कहानी सुनना या रचनात्मक गतिविधियां कराएं, जो मस्तिष्क के

विभिन्न हिस्सों को सक्रिय रखे। यह मस्तिष्क के विकास को बढ़ावा देता है, न्यूरल कनेक्शनों को मजबूत करता है। शारीरिक गतिविधियां जैसे नाचना या दौड़ना बच्चों को तनाव से उबरने में मदद करती हैं।

केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

जब नी-स्किन दिखने लगे डार्क

अप्लाई करें ये होम रेमिडीज

अगर ध्यान ना दिया जाए तो घुटनों की त्वचा यानी, नी-स्किन डार्क दिखने लगती है। अगर आप कुछ घरेलू उपाय करेंगी तो आपके घुटनों की रंगत निखर सकती है।

कॉफी और नारियल तेलः कांच की कटोरी में 1 चम्मच कॉफी डालें और इसमें करीब आधा चम्मच नारियल का तेल मिलाएं। इस मिश्रण को संतरे के छिलके की मदद से काले घुटनों पर 10 मिनट तक मसाज करें। इसके बाद कॉटन की मदद से इसे साफ कर लें। आप चाहें तो इसे पानी से भी धो सकती हैं। आप इस स्क्रब का इस्तेमाल हफ्ते में 2 से 3 बार कर सकती हैं। इसके नियमित इस्तेमाल से घुटनों का कालापन कम हो जाएगा।

नीबू और बेकिंग सोडाः एक कटोरी नीबू के रस में बेकिंग सोडा मिलाकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर कॉटन की मदद से घुटनों पर लगाकर हल्के हाथों से घुटने की मसाज करें। बेहतर परिणाम के लिए इसे आप हफ्ते में दो बार उपयोग कर सकती हैं। इससे घुटने का कालापन कम हो सकता है।

टूथपेस्ट और कॉफी पावडरः थोड़ा सा टूथपेस्ट लेकर इसमें थोड़ा सा सोडा पावडर मिलाकर बने मिश्रण में आधा चम्मच कॉफी पावडर मिला लीजिए। अब इसमें कुछ बूंदें टमाटर के रस की मिला लें और अंत में कुछ बूंदें नीबू के रस की भी मिलाकर एक मिश्रण बना लीजिए। इस मिश्रण को घुटनों की काली जगह पर 10 मिनट तक लगाने के बाद घुटनों को हल्के-हल्के रगड़ते हुए ताजे पानी से धो डालिए।

नारियल तेल और चीनीः स्क्रब करने के लिए एक कटोरी में 1 चम्मच नारियल तेल में 1 चम्मच चीनी मिलाएं। इस मिश्रण को घुटनों पर हल्के हाथों से 5-10 मिनट तक गोलाकार में मसाज करने के बाद साफ पानी से अच्छी तरह पोंछ लें। मिश्रण में मौजूद नारियल तेल त्वचा को पोषण देता है, जबकि चीनी मृत कोशिकाओं को हटाती है।

नीबू का रस और शहद : एक चम्मच नीबू के रस में आधा चम्मच शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को घुटनों पर लगाकर करीब 15 मिनट तक हल्के हाथों से रगड़ें। फिर इसे साफ पानी से धो लें। तीन से चार हफ्तों के अंदर इसका असर दिखने लगेगा। दरअसल, नीबू एक प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट है, जो त्वचा पर जमी मैल को आसानी से कम करता है। वहीं इस पैक में मौजूद शहद त्वचा में नमी बनाए रखता है, ड्रायनेस दूर करता है।

खीरा और नीबूः खीरे का रस निकाल लें। अब 3 चम्मच खीरे के रस में आधा चम्मच नीबू का रस मिलाएं। इस पेस्ट को अपने घुटनों पर मालिश करते हुए लगाएं। 15 मिनट बाद पानी से धो लें और त्वचा को मॉयश्चराइज कर लें। खीरा और नीबू त्वचा का कालापन हटाते हैं।

बिगड़ती लाइफस्टाइल और अनहेल्दी डाइट के कारण महिलाओं में बेली फैट एक कॉमन प्रॉब्लम बनती जा रही है। इसे कम करने के लिए आप यहां बताई जा रही कुछ ईजी एक्सरसाइजेस को अपने डेली रूटीन में जरूर शामिल करें।

फिटनेस

काजल गुप्ता

फिटनेस इंस्ट्रक्टर

बेली फैट होगा कम

करें ये 7 एक्सरसाइज

कई महिलाओं में बेली फैट की समस्या अलग-अलग कारणों से जैसे- डिलीवरी के बाद हार्मोनल बदलाव, व्यस्त दिनचर्या और डाइट पर ध्यान न देने के कारण हो सकती है। इसका नेगेटिव इफेक्ट हमारे फिगर के साथ-साथ हेल्थ पर भी पड़ता है। लेकिन डेली एक्सरसाइज से बेली फैट को कम किया जा सकता है।

दौड़नाः शरीर को स्वस्थ रखने, शेप में लाने और एक्स्ट्रा फैट गलाने के लिए दौड़ना बेहद जरूरी है, क्योंकि दौड़ने से शरीर का पसीना निकलता है। जिससे बेली फैट को कम करने में मदद मिलती है।

प्लैंकः प्लैंक एक्सरसाइज, बेली फैट कम करने की सबसे महत्वपूर्ण एक्सरसाइज मानी जाती है, लेकिन इसे आपको वर्कआउट के सबसे अंत में करना चाहिए तभी इस एक्सरसाइज का ज्यादा फायदा मिलेगा। इसे करने के लिए आपको फर्श पर उल्टा लेटकर कोहनी और पंजो के सहारे शरीर को ऊपर उठाना है। ऐसें में आपके पेट पर बहुत जोर पड़ता है। इसे आप जितनी देर तक रोककर रखेंगी उतना ही इसका फायदा मिलेगा।

क्रंचेसः क्रंचेस एक्सरसाइज करने से बेली टोनिंग और लूज स्किन के स्ट्रेचिंग से बेली फैट भी कम हो जाती है। इसके लिए आपको पीठ के बल लेटकर घुटनों को मोड़ना है और हाथों को सिर के पीछे रखकर कमर तक के हिस्से को ऊपर उठाना है। ध्यान रखें कि गर्दन न मुड़े। इसे आप एक सेशन में कम से कम 20 बार जरूर रिपीट करें।

रस्सी कूदनाः शरीर को एक परफेक्ट शेप देने के लिए रस्सी कूदना एक फायदेमंद एक्सरसाइज है। इससे शरीर का एक्सट्रा फैट कम हो जाता है। आपको रोज ज्यादा से ज्यादा रस्सी कूदने की प्रैक्टिस करनी चाहिए।

साइकिल चलानाः इसे करने के लिए जमीन पर सीधे लेटकर सिर के नीचे हाथों को रखें फिर बारी-बारी से अपने दोनों पैरों को पेट की ओर मोड़ते हुए साइकिल की तरह चलाएं। इसे कम से कम 15 से 20 बार करें।

नौकासनः बेली फैट को कम करने और लोअर पार्ट फिटनेस के लिए नौकासन दमदार आसन माना जाता है। इसमें आपको जमीन पर सीधे लेटकर हाथ को नौका की तरह आगे की साइड रखना होता है और पैरों को उठाकर इसी मुद्रा में कम से कम एक मिनट के लिए होल्ड करके रखना है। इसे तीन बार रिपीट करें। एक चटाई पर पैरों को मोड़कर छाती के पास रखें, फिर दोनों पैरों को ऊपर उठाएं। अब दोनों हाथों को बगल में समानांतर रखें। इस मुद्रा में एक मिनट तक रहें और इसे तीन बार करें।

बर्पीजः बर्पीज वर्कआउट में आपको सबसे पहले खड़े होकर स्क्वेट करना होता है और फिर पुशअप करके इसी क्रम में बार-बार एक्सरसाइज करनी होती है। इससे बहुत जल्दी शरीर का वजन कम और खासकर बेली फैट कम हो जाता है। इसे भी तीन सेट में करें तो अधिक फायदा होगा।

इससे पेट के साथ थाइज की चर्बी भी तेजी से घटती है। जब आप 20 बार इसे एक सेट में हर दिन करेंगी तो आप देखेंगी कि कैसे आपका बेली सही शेप में आता जाएगा।

प्रस्तुतिः निधि गोयल